रांची, बुधवार , 22 जुलाई 2026
संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 8 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 308 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

4 ▶▶ भारत में धर्म और राजनीति को अलग क्यों नहीं देखा गया

आधी रात सलमान खान ने किया पोस्ट ◀◀ 6

रांची में घर में घुसकर बेरहमी से हत्या परिचितों पर पुलिस को हत्या का शक

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के सदर थाना अंतर्गत कोकर के खोरहाटोली में बुधवार सुबह एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई है। बदमाशों ने किराये के मकान में रह रहे रमेश ठाकुर की सिर पर लोहे के औजार 'पलाश' से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सदर थाना प्रभारी ने घटना की पुष्टि की है।

पुलिस के मुताबिक मृतक रमेश ठाकुर मूल रूप से अपने घर में नहीं रहकर कोकर स्थित किराये के मकान में कुछ दोस्तों के साथ रहता था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वह पहले जमीन के कारोबार से जुड़ा हुआ था। हाल के दिनों में उसके झाड़-फूंक का काम करने की भी चर्चा है। हालांकि पुलिस फिलहाल हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

आसपास के लोगों से पूछताछ में जुटी पुलिस : प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने रमेश ठाकुर के सिर पर पलाश से कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि हत्या के कारणों की गहन जांच की जा रही है। शुरूआती जांच के आधार पर आशंका है कि इस वारदात को मृतक के परिचित लोगों ने ही अंजाम दिया है। पुलिस आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पुलिस ने बताया कि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

काले कपड़े पहनकर विपक्षी सांसदों का संसद परिसर में विरोध

नई दिल्ली : छात्रों के विरोध प्रदर्शन और विपक्षी नेताओं के साथ पुलिस कार्रवाई को लेकर दिल्ली में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सांसदों ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का आरोप लगाते हुए संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे और छात्रों की मांगों पर सरकार से बातचीत शुरू करने की मांग की। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए छात्रों के समर्थन में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र केवल अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं और उनसे संवाद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ₹हम छात्रों के साथ हैं और उनकी आवाज उठा रहे हैं। छात्र केवल बातचीत और व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। बच्चे मेहनत करके पढ़ाई करते हैं और अपने भविष्य के सपने देखते हैं।

रामगढ़ सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

डॉग स्क्वायड और मेटल डिटेक्टर से चला सघन सर्च अभियान

रामगढ़: जिला व्यवहार न्यायालय को बम से उड़ाने की कथित धमकी मिलने के बाद जिला पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। बुधवार अहले सुबह से ही न्यायालय परिसर और उसके आसपास के पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस ने डॉग स्क्वायड, मेटल डिटेक्टर और बम निरोधक जांच के अन्य संसाधनों की मदद से पूरे कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया।

सुबह से ही न्यायालय परिसर के चारों ओर गहन जांच की जा रही है। कोर्ट भवन के प्रत्येक हिस्से, प्रवेश द्वार, पार्किंग स्थल, रिकॉर्ड रूम, गलियारों और सिरिस्ता कक्ष तथा अन्य संवेदनशील स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

एसडीपीओ ने दी जानकारी

तलाशी अभियान की निगरानी स्वयं रामगढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आलोक रंजन कर रहे हैं। उन्होंने

बताया कि धमकी की सूचना डाक के माध्यम से पुलिस को मिली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। पूरे न्यायालय परिसर की विधिवत जांच कराई जा रही है और हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। पुलिस पूरी सतर्कता और गंभीरता के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

एसडीपीओ आलोक रंजन ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल जांच अभियान जारी है और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। न्यायालय परिसर में आने वाले अधिवक्ताओं, न्यायिक कर्मियों, वादकारियों और आम लोगों से भी सुरक्षा जांच में सहयोग करने की अपील की गई है।

एसडीपीओ ने बताया धमकी मिलने की सूचना के बाद कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में और अधिक सख्त कर दी गई है। पुलिस अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त सुरक्षा बल भी तैनात किए जा सकते हैं। जांच पूरी होने के बाद ही धमकी की प्रकृति और उसके स्त्रोत को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

समाचार सार

वशिष्ट नगर : शव बरामदगी मामले में मृतक की पत्नी ने हत्या का मामला करवाया दर्ज

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत घंघरी इलाके में मंगलवार की अहले सुबह करीब 6 बजे चतरा-डोभी मुख्य मार्ग (एनएच-22) के किनारे एक गड्ढे से मुकेश यादव नामक युवक का शव मिलने के बाद मृतक की पत्नी ने पति के चार मित्रों पर स्थानीय थाना में हत्या का मामला दर्ज करवाया है। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि थाना कांड संख्या 112/26 के तहत मिथलेश चौहान,मो ताहिर,लल्लू दास एवं कमलेश दास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आवेदिका ने कहा है कि चारों लोग उनके पति के मित्र थे। घटना के पहले उनके पति ने एक आरोपी कमलेश दास को अपनी जमीन बेची थी। कमलेश जमीन का पैसा देने में आनाकानी कर रहा था। सोमवार की रात में भी वह कमलेश से बकाया 3 लाख 50 लाख रु मांगने गए थे। इसी क्रम में चारों लोग ने उनके पति की हत्या कर दी।

आपको बताते चलें कि मृतक प्रतापपुर प्रखंड के +2 उच्च विद्यालय प्रतापपुर में व्यवसायिक शिक्षा के तहत ट्यूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी के शिक्षक के रूप में अनुबंध पर कार्यरत थे।यह नियुक्ति किसी निजी कंपनी के द्वारा की गई थी।

मंगलवार को शव मिलने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने लगभग छः घंटे तक सड़क जाम कर दिया था। सड़क जाम होने से चतरा डोभी गया रूट पर आवागमन पूरी तरह से ठप्प पड़ गया था। थाना प्रभारी ने बताया है कि मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। जल्द ही सच से पर्दा उठ जाएगा और जो भी दोषी पाए जाएंगे,उनपर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

7.4 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा : चतरा पुलिस ने जिले के पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र से 7.4 ग्राम ब्राउन सुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सिमरिया अनुमंडल के एसडीपीओ शुभम नागरगोजे भाऊ साहब ने प्रेस वार्ता कर बताया कि जिले के पुलिस कप्तान अनिमेष कुमार नैथानी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ तस्कर गिद्धौर थाना क्षेत्र से ब्राउन सुगर खरीद कर पत्थलगड़ा क्षेत्र होते हुए भेलवाड़ा नावाडीह होते हुए सिमरिया की ओर जा रहे हैं। पुलिस कप्तान के निर्देश पर इसकी सत्यता की जांच के लिए एसडीपीओ शुभम नागरगोजे भाऊ साहब के नेतृत्व में एक टीम गठित कर पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र के भेलवाड़ा मोड़ नावाडीह के पास मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रोक कर जांच की गई। जांच के क्रम में दोनों युवकों के पास से 7.4 ग्राम ब्राउन शुगर और एक ओप्पो का मोबाइल तथा एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद कर दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों तस्कर टंडवा थाना क्षेत्र के तेलियाडीह निवासी प्रदीप कुमार साव पिता नरेश साव एवं कृष्णा कुमार साव पिता मोहन साव मिश्रौल है। तस्करी को लेकर पत्थलगड्डा कांड संख्या 51/26,धारा 17(बी)18(बी)21(बी)/25/27/28/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत चतरा भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदीप कुमार का पूर्व अपराधिक इतिहास टंडवा थाना में कांड संख्या 23/21 दर्ज है। छापेमारी टीम में एसडीपीओ सहित पुअनि राकेश कुमार, सअनि प्रदीप कुमार,बीरेंद्र कुमार के अलावे पत्थलगड्डा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

अवैध बालू कारोबार पर प्रशासन का बड़ा प्रहार

चतरा : अवैध खनन और बालू के गैरकानूनी भंडारण के विरुद्ध प्रशासन ने मंगलवार को पिपरवार क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की। टंडवा अंचल अधिकारी गौरव कुमार के नेतृत्व में अंचल प्रशासन एवं पिपरवार थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध रूप से जमा किए गए करीब 100 ट्रैक्टर के बराबर बालू को जब्त कर लिया।प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर जांच करते हुए बिना वैध अनुमति के भंडारित बालू को अपने कब्जे में लिया। जब्त सामग्री के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।अंचल अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार अवैध खनन और बालू के अवैध भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी स्तर पर अवैध गतिविधियों को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।इस संयुक्त अभियान में टंडवा अंचल प्रशासन की टीम के साथ पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा एवं पुलिस बल के जवान भी शामिल रहे। प्रशासन ने लोगों से भी अपील की है कि वे खनिज संसाधनों से संबंधित किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी समस्याएं सुने केंद्र सरकार : लाल किशोर

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने दिल्ली में परीक्षाओं में धांधली और नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज को लेकर बीजेपी तीखा हमला बोला है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने इस कार्रवाई को बेहद शर्मनाक और युवाओं की आवाज दबाने वाला करार दिया है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भी कहना है कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है। प्रधानमंत्री मोदी को लगता है कि वो बिना जवाब दिए, बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे, ऐसा नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं। भारत के छात्रों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि कहा कि जो लोग सत्ता के इशारे पर युवाओं को पीट रहे हैं, उन्हें एक दिन संविधान की लाठी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने छात्रों पर आंसू गैस के गोले छोड़ने और उन्हें पीटने की निंदा करते हुए कहा कि सभी बच्चे देश के भविष्य हैं और उनपर लाठीचार्ज दुखद हैं। कांग्रेस महासचिव ने केंद्र की बीजेपी सरकार की कार्यप्रणाली को शर्मनाक बताया है। उन्होंने बताया कि पार्टी के सभी सांसद संसद के मानसून सत्र में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहे हैं। केंद्र सरकार को भी छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने के बजाय सरकार को उनकी समस्याएं सुननी चाहिए। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने मांग की है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए और परीक्षा प्रणाली में पूरी पारदर्शिता लाई जानी चाहिए।

चतरा एसपी आवास के बाहर दिनदहाड़े हत्या

ठेकेदार के निजी बॉडीगार्ड ने खैनी मांगने पर साथी बॉडीगार्ड को मारी गोली

बिहार के बेलागंज के विधायक पुत्र विनीत यादव की कंट्रक्शन कंपनी कर रही है चतरा में बाईपास का निर्माण

संवाददाता

मानसिक रोगी है हत्यारा बॉडीगार्ड : डीएसपी

चतरा : जिला मुख्यालय में मंगलवार की दोपहर लगभग तीन बजे उस समय सनसनी फैल गई, जब एसपी आवास के ठीक सामने चतरा में बाईपास का निर्माण कर रहे रमिया कंस्ट्रक्शन कंपनी के निदेशक विनीत यादव के निजी बॉडीगार्ड बलवीर सिंह ने अपने ही साथी बॉडीगार्ड अतुल कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।एसपी आवास में तैनात पुलिस गार्ड ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान बिहार के बक्सर निवासी अतुल कुमार के रूप में हुई है, जबकि गिरफ्तार आरोपी बलवीर सिंह, उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ का बताया जाता है। घटना की पुष्टि करते हुए चतरा के डीएसपी (मु) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रमिया कंस्ट्रक्शन के निदेशक बिहार के बेलागंज के विधायक मनोरमा देवी के पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि कंस्ट्रक्शन कंपनी के निदेशक विनीत यादव एसपी कार्यालय के सामने अपनी फोर्ड गाड़ी खड़ी कर,किसी से मिलने गए थे। इसी क्रम में गाड़ी के अंदर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। डीएसपी ने बताया कि हत्याकांड मामले में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं बिहार के बेलागंज के विधायक के एक सरकारी गार्ड,चालक और विधायक पुत्र ठेकेदार से भी पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त सरकारी जवान भी गाड़ी में मौजूद था। गोली चलने के बाद वह भाग निकला। बताया कि उक्त सरकारी बॉडीगार्ड गयाजी पुलिस बल का जवान है। हत्या में प्रयुक्त राइफल के साथ साथ सरकारी बॉडीगार्ड के पिस्टल को भी बरामद किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि मृतक को दो गोलियां मारी गई हैं। उन्होंने बताया कि खैनी मांगने के सवाल पर दोनों के बीच शुरू हुए विवाद ने बड़ा मामला खड़ा कर दिया। उन्होंने बताया कि हत्यारा बॉडीगार्ड की मानसिक स्थिति अच्छी नहीं है। इसके पास से रिनपास(पागलखाने) का कागज भी बरामद हुआ है।इसपर पूर्व में भी बिहार के नवीनगर में भी गोली चलाने का आरोप है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए डीएसपी श्री सिंह ने बताया कि इस बात की भी जांच की जाएगी कि किस परिस्थिति में बेलागंज विधायक को उपलब्ध करवाया गया सरकारी बॉडीगार्ड चतरा में ठेकेदार की गाड़ी में बैठा था।

द्वितीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

चतरा : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार के तत्वाधान में जिला स्तरीय द्वितीय लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन जिला मुख्यालय के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, ओलंपिक संघ के सचिव राकेश कुमार सिंह एवं कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी के संयुक्त तत्वाधान में दीप प्रज्वलित कर किया गया ।प्रतियोगिता में चतरा जिला के विभिन्न प्रखंडों के बालक एवं बालिका टीम जिनकी उम्र 12 वर्ष से कम है तथा वर्ग तृतीय एवं वर्ग पांचवा तक की पढ़ाई में अध्यनरत है वैसे बच्चों के बीच प्रतियोगिता किया गया ।बालक वर्ग में सबसे पहला मैच सिमरिया बनाम इटखोरी के बीच मैच शुरू जिसमें इटखोरी 2-0 से विजय हुई, दूसरा मैच गिद्धौर बनाम हंटरगंज के बीच मैच हुई जिसमें हंटरगंज 1-0 से विजय हुई, तीसरा मैच टंडवा बनाम प्रतापपुर के बीच मैच हुई इसमें टंडवा की टीम 3 - 0 से विजय हुई चौथा मैच चतरा बनाम लावालौंग के बीच मैच हुई जिसमें लावालौंग की टीम 2-0 से विजय हुई पांचवा मैच कान्हाचट्टी बनाम इटखोरी के बीच मैच हुई जिसमें इटखोरी की टीम विजई हुई, छठा मैच कुंदा बनाम हंटरगंज के बीच मैच हो गई इसमें हंटरगंज 1-0 से विजय हुई सातवां मैच टंडवा बनाम मयूरहंड के बीच मैच हुई जिसमें टंडवा 1-0 से विजय हुई आठवां मैच लावालौंग बनाम पत्थलगड़ा के बीच मैच हुई जिसमें लावालौंग 1 -0 से विजय हुई, सेमीफाइनल मैच इटखोरी बनाम टंडवा के बीच मैच हुआ जिसमें टंडवा 2-0 से विजय हुई दूसरा सेमीफाइनल मैच हंटरगंज बनाम लावालौंग के बीच मैच हुआ जिसमें हंटरगंज 1- 0 से विजय हुई ।तृतीय स्थान के लिए लावालौंग बनाम इटखोरी के बीच मैच भी जिसमें लावालौंग की टीम 4 - 3 से विजय हुई ।फाइनल मैच टंडवा बनाम हंटरगंज के बीच हुआ जिसमें टंडवा 1-0 से विजय हुई ।बालिका वर्ग के मैच में पहला मैच टंडवा बनाम मयूरहंड के बीच मैच हुई जिसमें मयूरहंड के टीम 1-0 से विजय हुई दूसरा मैच लावालौंग बनाम गिद्धौर के बीच मैच हुई इसमें लावालौंग 3 -0 से विजय हुई तीसरा मैच चतरा बनाम कान्हाचट्टी के बीच मैच हुई जिसमें चतरा की टीम 3 -2 से विजय हुई चौथा मैच हंटरगंज बनाम कुंदा के बीच मैच हुई जिसमें हंटरगंज 1 -0 से विजय हुई पांचवा मैच प्रतापपुर बनाम मयूरहंड के बीच मैच हुई जिसमें मयूरहंड के टीम 2-0 विजय हुई छठा मैच सिमरिया बनाम लावालौंग के बीच मैच हुई इसमें लावालौंग 3 -0 से विजय हुआ। सातवां मैच चतरा बनाम पत्थलगड़ा के बीच मैच हुई जिसमें पत्थलगड्डा 2-0 विजय हुई ,आठवां मैच हंटरगंज बनाम इटखोरी के बीच मैच हुई जिसमें हंटरगंज 2-0 से विजय हुई।पहला सेमीफाइनल मैच लावालौंग बनाम हंटरगंज के बीच मैच हुई जिसमें हंटरगंज के टीम 1-0 से विजय हुई दूसरा सेमीफाइनल में मयूरहंड बनाम पत्थलगड्डा के बीच मैच हुई जिसमें पत्थलगड्डा की टीम 5-4 से विजय होकर फाइनल में पहुंची ।बालिकाओं का तृतीय स्थान के लिए मैच मयूरहंड बनाम लावालौंग के बीच मैच हुई जिसमें पेनाल्टी शूटआउट में मयूरहंड की टीम 2-1 विजय हुई ।बालिकाओं का फाइनल मैच पत्थलगड़ा बनाम हंटरगंज के बीच मैच हुई जिसमें पत्थलगड़ा की टीम 1-0 से विजय हुई ।प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका वीरेंद्र रविदास योगेंद्र कुमार, डब्लू कुमार मंटू कुमार धनंजय कुमार एवं धनेश्वर कुमार ने निभायें।प्रतियोगिता को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षा शिक्षक श्री राघवेंद्र चौधरी, दीपक कुमार, विकास कुमार सविता माल्तो संतोष कुमार सिंह ,प्रियंका कुमारी, कुसुम कुमारी, मंजू कुमारी, राकेश कुमार, जितेंद्र कुमार यादव ,मुकेश कुमार ,सत्यम कुमार प्रेमचंद कुमार प्रियांशु कुमार वीरेंद्र कुमार चंद्रशेखर प्रियांक सिंह ,सुबीर कुमार राजाराम यादव महादेव महतो मनीराम एवं अबोध राम का सहयोग काफी सराहनीय रहा ।

जेपीएससी के खिलाफ आंदोलन से पहले बौखलाई कांग्रेस : अशोक बड़ाईक

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक ने कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जुड़े सवालों से भाग रही है। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई को भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा प्रस्तावित झारखंड लोक सेवा आयोग के घेराव से घबराकर कांग्रेस के नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

अशोक बड़ाईक ने कहा कि यदि राज्य सरकार के दामन पर कोई दाग नहीं है तो 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम आधी रात में और आयोग के सक्षम हस्ताक्षर के बिना क्यों जारी किया गया। उन्होंने पूछा कि अभ्यर्थियों के चयन की न्यूनतम अंक सीमा (कटऑफ) सार्वजनिक क्यों नहीं की गई, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को गोपनीय क्यों रखा गया तथा उत्तर प्रदेश में प्रतिबंधित (ब्लैकलिस्टेड) एजेंसी को भर्ती प्रक्रिया की जिम्मेदारी किसके संरक्षण में दी गई।

उन्होंने कहा कि 22 जुलाई का आयोग घेराव किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि झारखंड के लाखों बेरोजगार युवाओं के अधिकार, सम्मान और भविष्य की लड़ाई है। प्रदेशभर से हजारों छात्र, अभ्यर्थी और भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता रांची पहुंचकर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग करेंगे।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस पार्टी के शासनकाल में अखिल भारतीय पूर्व-चिकित्सा परीक्षा, अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सहित कई राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं के मामले सामने आए, उसे भाजपा को नैतिकता का पाठ पढ़ाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने वर्षों तक प्रश्नपत्र लीक माफियाओं के खिलाफ कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया।

अशोक बड़ाईक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम-2024 लागू कर प्रश्नपत्र लीक जैसे अपराधों पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में अनियमितताओं की जानकारी मिलते ही केंद्र सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी कराई और जांच एजेंसियों को सक्रिय किया।

उन्होंने राज्य सरकार से झारखंड लोक सेवा आयोग की भर्ती प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने, सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा झारखंड के युवाओं के अधिकारों के लिए सड़क से लेकर सदन तक अपना संघर्ष जारी रखेगी।

राहुल गांधी की हिरासत के विरोध में रांची में कांग्रेस नेताओं का प्रदर्शन, कई नेता गिरफ्तार

रांची : नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने और इस दौरान उनकी नाक में चोट लगने की घटना के विरोध में रांची में कांग्रेस कार्यकताओं और नेताओं में आक्रोश देखा गया। कांग्रेस नेताओं ने घटना के विरोध में लोक भवन के निकट पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि हिरासत में लेने के दौरान राहुल गांधी को चोट लगी और उनके चेहरे पर खून दिखाई दिया, जिससे मौके पर मौजूद पार्टी नेताओं में नाराजगी फैल गई। रांची में मौजूद कांग्रेस प्रभारी के. राजू के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ नेता, विधायक और मंत्री विरोध दर्ज कराने पहुंचे।

कांग्रेस नेताओं ने इस घटना को साजिश करार देते हुए कहा कि देश के छात्रों, युवाओं और विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता पूरे घटनाक्रम को देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर कोतवाली थाना में रखा है। हिरासत में लिए गए नेताओं में कांग्रेस प्रभारी के. राजू, मंत्री दीपिका पांडे सिंह, डॉ. इरफान अंसारी, राधाकृष्ण किशोर, श्रीबेला प्रसाद, राजेश कच्छप, सुरेश बैठा, अनूप सिंह, बंधु तिर्की, नमन बिक्सल कोंगाड़ी, राजेश ठाकुर, आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव सहित कई नेता शामिल हैं।

इसके अलावा शाहबाज अहमद, शिल्पी कुमारी, अमरिंदर सिंह, राजेश सिंह सन्नी, रुद्र शुक्ला, डॉ. तौसिफ, राजीव रंजन प्रसाद, आदित्य विक्रम जायसवाल, आभा सिन्हा, जयशंकर पाठक, डॉ. कुमार राजा, राजेश गुप्ता छोटू, राकेश सिन्हा, सुरेंद्र सिंह, रवींद्र सिंह, शांतनु मिश्रा, अभिलाष साहू, सुनीत शर्मा, शशिभूषण राय, ऋषिकेश सिंह, अख्तर अली, सुनील सिंह, राजन वर्मा, पूर्णिमा सिंह, दयामनी बारला, डॉ. नैयर, गौरव सिंह, नितिन सिरमौर, प्रशांत पांडेय, अनिल सिंह, इंद्रजीत सिंह, प्रतीक सिन्हा और शिल्पी वर्मा समेत कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता भी हिरासत में लिए गए हैं।

प्रशासन पर सरकार का नियंत्रण खत्म हो रहा है : प्रदीप सिन्हा

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में झारखंड की गठबंधन सरकार पर प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारियों पर सरकार का नियंत्रण लगभग समाप्त हो चुका है, जिससे प्रशासनिक अनुशासन कमजोर हुआ है और जनता से जुड़े मामलों में जवाबदेही लगातार घट रही है।

प्रदीप सिन्हा ने कहा कि राज्य के वरिष्ठ मंत्रियों के निर्देशों की अनदेखी इस बात का प्रमाण है कि सरकार अपने ही प्रशासनिक तंत्र पर नियंत्रण बनाए रखने में असफल है। उन्होंने हाल में देवघर के पुलिस अधीक्षक और प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी के बीच हुए घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के फोन का अधिकारियों द्वारा जवाब नहीं देना उनके गैर-जिम्मेदार रवैये को दशार्ता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा स्वीकार्य नहीं हो सकती।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब प्रशासन का राजनीतिक उपयोग हुआ हो। उन्होंने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश के खिलाफ दर्ज देशद्रोह के मुकदमे का उल्लेख करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण बताया। उनके अनुसार, आज भी प्रशासनिक व्यवस्था में वही मानसिकता दिखाई दे रही है। सिन्हा ने कहा कि संविधान ने विधायिका और कार्यपालिका की भूमिकाएं स्पष्ट की हैं। अधिकारियों का दायित्व है कि वे जनप्रतिनिधियों के साथ संवैधानिक मयार्दा, जवाबदेही और शिष्टाचार का पालन करें। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने से मंत्रियों और अधिकारियों के बीच चल रही खींचतान पर मुख्यमंत्री की चुप्पी चिंताजनक है। मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि राज्य का प्रशासन सरकार के निर्देशों से चलेगा या अधिकारियों की मनमानी से। उन्होंने राज्य सरकार से प्रशासनिक अनुशासन बहाल करने, अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों के सम्मान की रक्षा के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग के सह-संयोजक अजय राय एवं नीरज सिंह भी उपस्थित थे।

टीकाकरण अभियान चलाना है-रेबीज मुक्त झारखंड बनाना है : रॉबिन टोप्पो

▸ वर्ष 2029 तक झारखंड को रेबीज मुक्त राज्य बनाने का संकल्प ▸ पशु कल्याण एवं पशु जन्म नियंत्रण विषयक कार्यशाला आयोजित

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची। पशु कल्याण बोर्ड, रांची के तत्वावधान में राजधानी रांची स्थित पशुपालन निदेशालय के सभागार में मंगलवार को पशु कल्याण एवं पशु जन्म नियन्त्रण कार्यक्रम की राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय पशु कल्याण संस्थाओं (स्वयंसेवी संगठन), नगर निगम, जिला, पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी सहित पशु कल्याण से जुड़े नागरिक मौजूद रहे।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करना, मानव-पशु संघर्ष को कम करना और पशु जन्म नियन्त्रण नियम-2023 के निदेशों का पालन सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक (पशुपालन) रोबिन टोप्पो (भाप्रसे) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पशु चिकित्सकों, कानूनी विशेषज्ञों और विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि पशुपालन विभाग के निदेशक रॉबिन टोप्पो (भाप्रसे) ने अपने संबोधन में कहा कि सामूहिक टीकाकरण अभियान चलाकर हम रेबीज मुक्त राज्य बनाने की दिशा में सफल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि नसबन्दी और रेबीज-रोधी टीकाकरण ही आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने का एकमात्र कानूनी, मानवीय और प्रभावी तरीका है।

कार्यशाला में संवाद सत्र भी हुआ। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों के प्रश्नों का निवारण किया गया। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी एवं विचार-विमर्श सत्र में विशेषज्ञों ने एबीसी नियम-2023 का पालन, पशुओं को मानवीय तरीके से पकड़ने, ऑपरेशन से पहले और बाद में उचित देखभाल तथा नियमों के अनुपालन पर बल दिया। रेबीज मुक्त शहर / राज्य बनाने के लिए सामुहिक टीकाकरण अभियान चलाने तथा 2029 तक रेबीज मुक्त राज्य बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यशाला में व्यापक जन जागरूकता, कुत्तों के लिए फिडिंग पोस्ट तय करना, स्थानीय स्तर पर मानव-जानवर संघर्ष कम करना और नागरिकों को पशु क्रूरता निवारण के प्रति जागरुक करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर एनिमल वेलफेयर बोर्ड के डॉ.आरबी चौधरी, डब्लूवीएस के क्लीनिकल डायरेक्टर व टास्क फोर्स मैनेजर डॉ.ए कुमार ने बतौर विशेषज्ञ कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को रेबीज से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया।

कार्यशाला में स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, पुलिस-प्रशासन व रांची नगर निगम प्रबंधन के प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यशाला में 'पशु मित्र' पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस पुस्तक में पशुओं और मानव के बीच संबंधों की विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई है। साथ ही रैबिज से बचाव के तरीकों से भी अवगत कराया गया है।

देवघर में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यसमिति बैठक संपन्न, कई अहम निर्णय

रांची/देवघरः झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यसमिति बैठक देवघर के जैन मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों से 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जबकि रांची से 25 प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक सूत्र में जोड़ना ही सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है। बैठक में संविधान संशोधन को मंजूरी दी गई, महापंचायत गठन का निर्णय लिया गया तथा पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार को उसका संयोजक बनाने पर सहमति बनी। संपत्ति संरक्षक मंडल के गठन को भी स्वीकृति दी गई।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–ज्योति देवी उर्फ गुड़िया, उम्र–32 वर्ष, ऊँचाई–5 फिट 5 ईंच, रंग–साँवला, पहनावा–लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला ज्योति देवी उर्फ गुड़िया, उम्र–32 वर्ष, पिता–स्व0 अशोक साहु, सा0–रघुनाथपुर, थाना–चान्हो, जिला–राँची जो दिनांक–02.07.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में चान्हो थाना सनहा सं0–13 / 2026, दिनांक–09.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती / दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, राँची। –9431742777
थाना प्रभारी, चान्हो, राँची। –9431706189
आवेदक विकास कुमार। –9693764506

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 385432 Police(26-27).D

झारखंड में अश्लीलता के खिलाफ कलाकारों का बड़ा अभियान, उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

जल्द कार्रवाई का मिला आश्वासन

संवाददाता

रांची : झारखंड में क्षेत्रीय भाषा, संस्कृति और लोककला को अश्लीलता एवं फूहड़ता से बचाने के उद्देश्य से झारखंडी क्षेत्रीय कलाकार सोसाइटी ने उपायुक्त (डीसी) को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान उपायुक्त ने मामले में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने कहा कि झारखंड अपनी समृद्ध भाषा, संस्कृति और लोक परंपराओं के लिए देशभर में अलग पहचान रखता है। वरिष्ठ कलाकारों ने वर्षों की मेहनत और समर्पण से इस सांस्कृतिक विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

ऐसे में वर्तमान पीढ़ी के कलाकारों का दायित्व है कि वे इस विरासत की गरिमा बनाए रखें और अश्लील एवं फूहड़ सामग्री का विरोध करें।

कलाकारों ने कहा कि झारखंड से अश्लीलता को समाप्त करने के इस अभियान को राज्य की 9 भाषाओं और 24 जिलों के कलाकारों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। सभी ने एकजुट होकर सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने तथा स्वस्थ और सम्मानजनक कला को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

इस अभियान में पद्मश्री मुकुल नायक, पवन रॉय, मोनू राज, मनोज शहरी, पंकज रॉय, अनीता बाड़ा, वर्षा लकड़ा, सरिता देवी, कवि किसन, नितेश कच्छप, विवेक नायक, इग्नेश कुमार, सत्या महतो, राजू तिर्की, राजू केरकेट्टा, ज्योति मिंज, मोनिका केसपोटो, किसन राज, अविनाश पासवान, उमी झारखंडी, बबलू नायक, हेमंत कुजुर, कुमार सौरव, सुमन गुप्ता, कुमार प्रीतम, सतीश दास, राजदेव नायक, रूपेश बड़ाईक, चांदनी बड़ाईक, पूनम खलको, प्रवीण बाड़ा, मनवीर नायक, रविकांत भगत, कुमार सोनू, रंजन, अजीत साहू, राज पांडे और अनिल नायक सहित कई प्रमुख कलाकार शामिल रहे।

कलाकारों ने विश्वास जताया कि प्रशासन के सहयोग और समाज के समर्थन से झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा तथा अश्लीलता के खिलाफ यह अभियान प्रभावी साबित होगा।

श्री डोरंडा बालिका उच्च विद्यालय में मेधावी छात्राएं हुईं सम्मानित

रांची : श्री डोरंडा बालिका उच्च विद्यालय में वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका आरती झा के स्वागत भाषण से हुआ। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव घेवर चंद नाहटा ने सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समिति की ओर से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सुभाष चंद्र बोथरा द्वारा सभी सफल छात्राओं को स्मृति-चिह्न, मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं पूनम चंद भंसाली की ओर से 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए।

AFFIDAVIT

As per affidavit no. 253, dated - 20 July 2026 Mohammad Imteyaz, Son of Late Syed Hassan, by occupation Business, residing at H. No. 20, Near Macca Masjid, Mojahid Nagar, Hindpiri, P.S. Hindpiri, District Ranchi, Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare as follows:That I am an Indian citizen by birth.That I am permanently residing at the above-mentioned address.That my correct and actual name is Mohammad Imteyaz, as recorded in my Aadhaar Card bearing Aadhaar No. 3265 2173 8406.That due to an inadvertent error, my name has been recorded as "Syead Musir Hassan" in the school records of my daughter, Syyeda Alia Butool.That the names "Syead Musir Hassan" and "Mohammad Imteyaz" refer to one and the same person, i.e., myself.That this affidavit is made for the purpose of correcting my name from "Syead Musir Hassan" to "Mohammad Imteyaz" in all concerned records, particularly in my daughter's school records and wherever necessary.

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–रितेश कुमार, उम्र–19 वर्ष, ऊँचाई–5 फीट 6 ईंच, रंग–साँवला, पहनावा–गहरा हर रंग का टी शर्ट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति रितेश कुमार, उम्र–19 वर्ष, पिता–पारसनाथ भारती, पता–कृष्णापुरी रोड नं0–14, थाना–चुटिया, जिला–राँची जो दिनांक–27.06.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में चुटिया थाना सन्हा सं0–18 / 2026, दिनांक–05.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता / दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, नगर, राँची। – 9431706137
थाना प्रभारी, चुटिया, राँची। – 9431706165
आवेदिका सुनिता भारती। – 6207239755

PR 385423 Police(26-27)D

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

जगन्नाथपुर के महोत्सव में लोक कला की छटा बन रही आकर्षक

रांची। जगन्नाथपुर में चल रहे महोत्सव में मंगलवार को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की विविधता का भव्य प्रदर्शन राज्य के कलाकारों ने किया। अलग-अलग जिलों से आए इन कलाकारों में प्रसिद्ध सितारवादक देवप्रिय ठाकुर ने सितार का झाला और धुन से कार्यक्रम की शुरूआत की। साथ ही रांची, सरायकेला, खूंटी व दुमका से आए कला दलों ने नागपुरी लोकगीत, गायन तथा नृत्य, सरायकेला छऊ, करमा भरणी, मुंडारी नृत्य, झूमर नर्तकी नाच, पाइका नृत्य, संताली नृत्य, पांता नृत्य आदि की प्रस्तुति दी। रांची के गायक पंडित शैलेंद्र पाठक ने शास्त्रीय गायन की समृद्ध परंपरा का प्रदर्शन करते हुए विविध रागों की सुमधुर प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान पखावज पर श्रवण पाठक ने संगत की। वहीं, मनोहर पाठक, प्रियंका पाठक, उत्कर्ष एवं निशांत ने भी साथ दिया। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख, देवदास विश्वकर्मा, मनपूरन नायक, राकेश रमण, प्रभात महतो और बंदी उरांव ने कलाकारों को सम्मानित किया।

मेजेस्टिक इंडिया कॉरोनेशन सेरेमनी 2026 का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी विजेता

संवाददाता

रांची। झारखंड की युवतियों को वैश्विक मंच प्रदान करने और उनकी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'मेजेस्टिक इंडिया कॉरोनेशन सेरेमनी 2026' का आयोजन मंगलवार को बरियातू में किया गया। इस समारोह में उन विजेता प्रतिभागियों की घोषणा और ताजपोशी की गई, जो आगामी अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस संबंध में मंगलवार को बरियातू रोड स्थित होटल रामादा बाय विन्दम में मेजेस्टिक इंडिया की राष्ट्रीय निदेशक शांभवी शिवा ने पत्रकारों को बताया कि विजेता मिसेज सुप्रा नेशनल, फेस ऑफ द यूनिवर्स, मिसेज ग्रैंड इंटरनेशनल और मिसेज कॉस्मो में प्रतिनिधित्व करेंगी। इन प्रतियोगिताओं में भारतीय प्रतिनिधि दुनिया भर के 40 से अधिक देशों की प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

शांभवी शिवा खुद 'मिसेज सुप्रानेशनल 2024' का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सौंदर्य प्रतियोगिताओं की परिभाषा को बदलना है। मेजेस्टिक इंडिया केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो आत्मविश्वास से भरपूर, उद्देश्य-संचालित और सक्षम महिलाओं को तैयार करता है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर अवध मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल ने क्लाउड लेखांकन का परिचय पुस्तक का किया लोकार्पण

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने क्लाउड लेखांकन का परिचय पुस्तक का लोकार्पण लोकभवन, में किया। यह कार्यक्रम भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांत मंत्री डॉ सुबास साहु के निवेदन पर आयोजित किया गया। पुस्तक के लेखक डॉ गुंजन कुमार भारतीय शिक्षण मंडल की रांची विश्वविद्यालय इकाई के सदस्य हैं तथा वर्तमान में रांची विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में कार्यरत हैं। लेखक ने बताया कि क्लाउड लेखांकन जैसे समसामयिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर आधारित यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों तथा वाणिज्य जगत से जुड़े सभी पाठकों के लिए एक उपयोगी संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगी।

कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी
Email ID: npkhunti2006@gmail.com

पत्रांक: 1240खूँटी, दिनांक: 21.07.2026

Walk in Interview (4th Call)

अपर अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 9/RCH-694/2022-328(AMD) दिनांक 06.12.2022 के आलोक में 15वीं0 वित्त आयोग द्वारा **अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (UAAM)** बेलाहाथी रोड, वार्ड –03 में संचालित करने हेतु खूँटी शहरी क्षेत्रान्तर्गत एक **चिकित्सक** की सेवा प्राप्त करने हेतु योग्य व इच्छुक आवेदकों को नगर पंचायत कार्यालय, एस0डी0ओ0 तालाब के निकट, कमन्ता, खूँटी वार्ड–19 में दिनांक 31.07.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक Walk in Interview हेतु आमंत्रित किया जाता है।

क्र0	शहरी स्वा0 केन्द्र का नाम	रिक्तियों की संख्या
1.	**अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (UAAM)** बेलाहाथी रोड, वार्ड –03, नगर पंचायत, खूँटी।	1

आर्हताएँ :–

1.	पदनाम	मेडिकल ऑफिसर–यू0ए0ए0एम0
2.	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त संस्थान से MBBS की डिग्री।
3.	उम्र सीमा	अधिकतम 67 वर्ष
4.	मानदेय	रु 63000.00 (Rs. Sixty three thousand only) प्रतिमाह
5.	कार्य अवधि	8:00 घण्टे।
6.	कार्य दिवस	सोमवार से शनिवार
7.	मानदेय भुगतान में नियमानुसार T.D.S. कटौती की जायेगी।	
8.	चयनित चिकित्सकों द्वारा भविष्य में नियमितिकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।	
9.	Walk in interview में उपस्थित होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।	

इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा, सभी मूल प्रमाण पत्र एवं प्रमाण पत्र की छाया प्रति के साथ Walk in interview में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,नगर पंचायत, खूँटी

PR 385491 (Urban Development)26-27*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

गुमशुदा महिला सुनिता देवी, उम्र– करीब 32 वर्ष, पति–संजय माँझी, सा0– हतनन्दा गंझुटोली, थाना– बानो, जिला– सिमडेगा, राज्य– झारखण्ड, दिनांक– 03.07.02026 को अपने घर से कहीं चली गयी है, जो अब तक वापस आयी है। गुमशुदा महिला की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है :–

हुलिया की विवरणी :–
लिंग :– स्त्री।
उम्र :– 32 वर्ष।
रंग :– गोरा।
ऊँचाई :– करीब 05 फीट।
बाल :– काला एवं छोटा।
भाषा :– सादरी एवं हिन्दी।
पहनावा :– हरारंग का साड़ी।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त गुमशुदा महिला के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, बानो – मोबाइल नं0–9431706236
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोलफ्री नं0 – मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा

PR 385410 Simdega (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

नंदकिशोर गोयनकाः सेवा, संस्कार, समर्पण और राष्ट्रभाव के युगपुरुष

कुछ व्यक्तित्व समय की सीमा में बंधे नहीं होते। उनका जीवन एक विचार बन जाता है, उनका आचरण एक आदर्श और उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत। स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर गोयनका जी ऐसे ही विरल व्यक्तित्व थे।₹ श्री गोयनका जी का पार्थिव शरीर तो पंचतत्व में विलीन हो गया, किंतु उनका जीवन-दर्शन, उनकी कर्मनिष्ठा, उनका सेवा-भाव और उनके द्वारा स्थापित आदर्श सदैव समाज का पथ आलोकित करते रहेंगे। वे उन लोगों में थे जिन्होंने कभी स्वयं को केंद्र में नहीं रखा, बल्कि समाज, राष्ट्र और संस्कृति को अपने जीवन का केंद्र बनाया। उनका व्यक्तित्व जितना विशाल था, उतना ही विनम्र भी। जितना प्रभावशाली था, उतना ही आत्मसंयमी। वे वास्तव में कर्मयोगी थे। 28 सितम्बर 1930 को हरियाणा के हिसार की पावन भूमि पर जन्मे श्री नन्दकिशोर जी ने अपने जीवन का निर्माण भारतीय संस्कारों, कठोर परिश्रम और नैतिक मूल्यों के आधार पर किया। जीवन के प्रारंभिक संघर्षों ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कारों ने उन्हें राष्ट्रजीवन का सजग साधक बना दिया। उन्होंने कभी प्रसिद्धि की आकांक्षा नहीं की, बल्कि अपने प्रत्येक कार्य को ईश्वरार्पण और राष्ट्रसेवा का माध्यम माना। सामान्य रूप से देश उन्हें प्रख्यात उद्योगपति, एस्सेल समूह के संस्थापक एवं मीडिया जगत के अग्रणी व्यक्तित्व डॉ. सुभाष चंद्रा के पूज्य पिता के रूप में जानता है, किंतु जिन्होंने उन्हें निकट से देखा, वे जानते हैं कि उनकी अपनी पहचान कहीं अधिक व्यापक थी। वे समाज के मार्गदर्शक, संगठन के विश्वसनीय कार्यकर्ता, गौसेवा के तपस्वी, अग्रवाल समाज के प्रेरक और राष्ट्रजीवन के सजग प्रहरी थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके जीवन का केवल एक संगठन नहीं था, बल्कि जीवन-दृष्टि था। वे संघ के एक कर्मठ, अनुशासित और निष्ठावान स्वयंसेवक रहे। उन्होंने संघ के उस मूल मंत्र–₹राष्ट्र प्रथम₹–को अपने जीवन में पूरी निष्ठा से उतारा। उनके लिए राष्ट्रभक्ति भाषण का विषय नहीं, बल्कि जीवन की दिनचर्या थी। अनुशासन, समयपालन, विनम्रता, आत्मसंयम और संगठन-भाव उनके स्वभाव में स्वाभाविक रूप से समाहित थे। विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत के उपाध्यक्ष के रूप में तथा गौरक्षा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे मानते थे कि हिंदू समाज का संगठन केवल किसी संस्था का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है। परिषद के सेवा, संस्कार, समरसता और धर्मजागरण के कार्यों में उन्होंने तन, मन और संसाधनों से सहयोग दिया। गौरक्षा उनके लिए केवल आंदोलन नहीं थी; वह भारतीय संस्कृति, कृषि, ग्राम्य जीवन और करुणा की रक्षा का अभियान था। वे गौमाता को भारतीय जीवन का आधार मानते थे। अनेक गौशालाओं और गौरक्षा अभियानों के साथ उनका सक्रिय जुड़ाव इसी जीवन-दृष्टि का प्रमाण था। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा– ₹श्री नन्दकिशोर गोयनका जी का पार्थिव शरीर तो आज पंचतत्व में विलीन हो गया, किंतु उनके गुण, कर्म, स्वभाव और महानता सदैव अमिट रहेंगे। संघ के एक कर्मठ स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने आजीवन निस्वार्थ सेवा दी। महाराजा अग्रसेन के सच्चे वंशज के रूप में उन्होंने अग्रोहा धाम को वैश्य समाज के एक तीर्थ के रूप में विकसित किया। विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत उपाध्यक्ष एवं गौरक्षा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। गौमाता के वे सच्चे सेवक थे और भारत माता के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।₹ यह श्रद्धांजलि वस्तुतः उनके संपूर्ण जीवन का सार है। महाभारत के युद्ध के साक्षी महाराजा अग्रसेन केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि 'एक ईंट व सवा रुपए' जैसे समता, सहयोग और लोककल्याण की भारतीय परंपरा के प्रतीक हैं। श्री नन्दकिशोर गोयंका जी ने इस विरासत को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। अग्रोहा धाम के विकास में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने इसे केवल मंदिर परिसर या स्मारक के रूप में नहीं, बल्कि वैश्य समाज की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के तीर्थ केंद्र के रूप में विकसित करने का स्वप्न देखा। आज देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए अग्रोहा धाम श्रद्धा, प्रेरणा और संगठन का केंद्र है। इस उपलब्धि में उनका योगदान सदैव सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाएगा। उनका विश्वास था कि सेवा का सबसे श्रेष्ठ रूप वही है जिसमें यश की अपेक्षा न हो। इसलिए उन्होंने कभी अपने कार्यों का प्रचार नहीं किया। शिक्षा, चिकित्सा, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता में उनका सहयोग निरंतर बना रहा। वे मानते थे कि समाज केवल आर्थिक उन्नति से महान नहीं बनता; उसे संस्कार, शिक्षा और सेवा की भी आवश्यकता होती है। इसी कारण उन्होंने अनेक सामाजिक एवं शैक्षिक प्रयासों को प्रोत्साहन दिया और समाज को जोड़ने का कार्य किया। आज के युग में जब प्रतिष्ठा का मापदंड बाहरी वैभव बनता जा रहा है, तब श्री नन्दकिशोर गोयंका जी का जीवन सादगी का अनुपम उदाहरण था। अत्यंत प्रतिष्ठित परिवार से होने के बावजूद उनके जीवन में दिखावा नहीं था। वे सहज, सरल और आत्मीय थे। उनके द्वार पर आने वाला व्यक्ति कभी अपने को पराया अनुभव नहीं करता था। उनकी वाणी में मधुरता, व्यवहार में आत्मीयता और निर्णयों में स्पष्टता थी। वे सुनने की क्षमता रखते थे, इसलिए समाज उन्हें सम्मान देता था। हर महान परिवार के पीछे एक महान संस्कारदाता होता है। गोयनका परिवार के लिए वह भूमिका नन्दकिशोर जी ने निभाई। उन्होंने अपने बच्चों को केवल सफलता का मार्ग नहीं दिखाया, बल्कि यह भी सिखाया कि सफलता का उद्देश्य समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाना है। डॉ. सुभाष चंद्रा जी, लक्ष्मी नारायण जी, जवाहर जी व अशोक गोयल जी के व्यक्तित्व में दिखाई देने वाली कर्मठता, साहस, नवाचार और भारतीयता के मूल में उनके पिता के संस्कार ही स्पष्ट दिखाई देते हैं। अंतिम विदाई अमर प्रेरणाः 96 वर्ष की आयु में उनकी जीवनयात्रा पूर्ण हुई। हिसार की पावन भूमि पर जब उनका अंतिम संस्कार हुआ, तब केवल एक परिवार नहीं, बल्कि समाज का एक युग उन्हें विदा कर रहा था। असंख्य स्वयंसेवक, संत, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपति, जनप्रतिनिधि और सामान्य नागरिक उन्हें अंतिम प्रणाम देने पहुँचे। यह सम्मान किसी पद का नहीं, बल्कि एक तपस्वी जीवन का था। नन्दकिशोर गोयनका जी ने अपने जीवन से सिद्ध किया कि राष्ट्रसेवा और समाजसेवा के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं होती; आवश्यकता होती है निष्काम भाव, दृढ़ संकल्प और सतत कर्म की। उन्होंने जीवनभर संघ के स्वयंसेवक की निष्ठा, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता का समर्पण, गौभक्त की करुणा, अग्रवंशी की सामाजिक चेतना और एक भारतीय गृहस्थ की मर्यादा को एक साथ जीकर दिखाया। उनका जीवन भारतीय संस्कृति के उस आदर्श का मूर्त रूप था जिसमें धर्म, सेवा, संगठन, करुणा, विनम्रता और राष्ट्रभक्ति एक-दूसरे के पूरक हैं। आज वे सशरीर भले हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनके द्वारा रोपे गए संस्कारों के वृक्ष आने वाली पीढ़ियों को छाया देते रहेंगे। उनके आदर्श समाज को दिशा देते रहेंगे। उनकी तपस्या राष्ट्रजीवन को प्रेरित करती रहेगी। ऐसे राष्ट्रऋषि, कर्मयोगी, गौभक्त, समाजनायक और प्रेरणापुरुष स्वर्गीय नन्दकिशोर गोयनका जी को कोटिशः नमन। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

भारत में धर्म और राजनीति को अलग क्यों नहीं देखा गया?

> भारतीय दर्शन में धर्म का अर्थ किसी विशेष मत, संप्रदाय या पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है। महर्षि वेदव्यास ने कहा है, ₹धारणाद् धर्ममित्याहु :₹, अर्थात जो समाज और सृष्टि को धारण करे, वही धर्म है। सत्य, न्याय, कर्तव्य, मर्यादा, करुणा और लोककल्याण, ये सभी धर्म के अंग हैं। इसी कारण भारतीय परंपरा में 'स्वधर्म', 'राजधर्म', 'राष्ट्रधर्म' और 'सनातन धर्म' जैसी अवधारणाएँ विकसित हुईं।

दीपक कुमार द्विवेदी

आ आज के बौद्धिक विमर्शों में एक विचार बार-बार सुनाई देता है, वह है- ₹राज्य का कोई धर्म नहीं होना चाहिए। धर्म व्यक्ति का निजी विषय है और राजनीति को उससे अलग रखा जाना चाहिए।₹ यह अवधारणा आधुनिक लोकतांत्रिक विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है, किंतु क्या यह भारतीय सभ्यता की मूल चेतना से मेल खाती है? यही प्रश्न आज गंभीर चर्चा की मांग करता है। दरअसल, भारतीय और पश्चिमी राजनीतिक दर्शन की आधारभूमि अलग-अलग रही है। भारत में जिस 'धर्म' की चर्चा होती है, वह पश्चिम के 'रिलीजन' का पर्याय नहीं है। इसी मूलभूत अंतर की अनदेखी ने लंबे समय से वैचारिक भ्रम उत्पन्न किया है।

भारतीय दर्शन में धर्म का अर्थ किसी विशेष मत, संप्रदाय या पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है। महर्षि वेदव्यास ने कहा है, ₹धारणाद् धर्ममित्याहु:₹, अर्थात जो समाज और सृष्टि को धारण करे, वही धर्म है। सत्य, न्याय, कर्तव्य, मर्यादा, करुणा और लोककल्याण, ये सभी धर्म के अंग हैं। इसी कारण भारतीय परंपरा में 'स्वधर्म', 'राजधर्म', 'राष्ट्रधर्म' और 'सनातन धर्म' जैसी अवधारणाएँ विकसित हुईं। यहाँ धर्म व्यक्ति के निजी जीवन से आगे बढ़कर समाज और राज्य की नैतिक दिशा निर्धारित करता है। सेक्युलरिज्म की उत्पत्ति और भारतीय संदर्भः यूरोप में सेक्युलरिज्म का जन्म चर्च और राजसत्ता के बीच सदियों तक चले संघर्ष की पृष्ठभूमि में हुआ। धार्मिक संस्थाओं के राजनीतिक हस्तक्षेप से उत्पन्न टकराव ने राज्य और चर्च को अलग करने की आवश्यकता पैदा की। भारत का अनुभव इससे बिल्कुल भिन्न रहा। यहाँ राजा स्वयं धर्म के अधीन माना गया। महाभारत से लेकर अर्थशास्त्र और रामायण तक भारतीय ग्रंथों में राजा की शक्ति का स्रोत धर्म और न्याय को माना गया है, न कि उसकी व्यक्तिगत इच्छा को, इसलिए भारतीय चिंतन में राजनीति का उद्देश्य सत्ता नहीं, बल्कि धर्मसम्मत शासन और लोकमंगल रहा है।

राजधर्म : भारतीय शासन-दर्शन की आत्माः भारतीय इतिहास में आदर्श शासक वही माना गया जिसने राजधर्म का पालन किया। भगवान श्रीराम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' इसलिए कहा गया क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत सुख से ऊपर राजधर्म को रखा। महाभारत में भीष्म, विदुर और श्रीकृष्ण बार-बार शासक को धमार्धारित शासन का उपदेश देते हैं। कौटिल्य का अर्थशास्त्र भी स्पष्ट करता है कि राज्य का अस्तित्व केवल शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि प्रजा की सुरक्षा, न्याय और समृद्धि के लिए है। यही कारण है कि भारतीय राजनीति में धर्म का अर्थ किसी धार्मिक वर्चस्व से अधिक नैतिक उत्तरदायित्व रहा है।

ऋतम् और पुरुषार्थ : संतुलित जीवन का दर्शनः वैदिक साहित्य में समस्त सृष्टि एक शाश्वत व्यवस्था के अधीन मानी गई है, जिसे 'ऋतम्' कहा गया है। इसी व्यवस्था के अनुरूप मानव जीवन के चार पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष–निर्धारित किए गए। इनमें धर्म को प्रथम स्थान इसलिए दिया गया क्योंकि वही अर्थ और काम को मर्यादित करता है। यदि समाज से धर्म का नैतिक नियंत्रण समाप्त हो जाए, तो आर्थिक विकास भी स्वार्थ का माध्यम बन सकता है और व्यक्तिगत स्वतंत्रता अराजकता में बदल सकती है। भारतीय दर्शन इसी संतुलन पर बल देता है। विज्ञान और अध्यात्म : विरोध नहीं, समन्वयः भारतीय परंपरा आधुनिक विज्ञान का विरोध नहीं करती, बल्कि ज्ञान के व्यापक स्वरूप को स्वीकार करती है। आधुनिक विज्ञान मुख्यतः भौतिक जगत की व्याख्या करता है, जबकि भारतीय दर्शन चेतना, प्रकृति और ब्रह्मांड के आध्यात्मिक आयामों पर भी विचार करता है। उपनिषदों और भगवद्गीता का संदेश है कि भौतिक प्रगति आवश्यक है, किंतु उसके साथ आत्मबोध और नैतिकता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यही कारण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान और अध्यात्म को परस्पर पूरक माना गया है। भारतीय आख्यानों को उनके संदर्भ में समझने की आवश्यकताः भारतीय महाकाव्यों और पुराणों की अनेक कथाओं को केवल आधुनिक वैज्ञानिक कसौटी पर परखने से उनके सांस्कृतिक और दार्शनिक अर्थ छूट जाते हैं। परंपरागत आचार्यों ने इन प्रसंगों को प्रतीकात्मक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदर्भों में समझाया है। भारतीय ज्ञान परंपरा का आग्रह है कि किसी भी ग्रंथ का मूल्यांकन उसकी अपनी दार्शनिक पृष्ठभूमि में किया जाए, न कि केवल आधुनिक पश्चिमी दृष्टिकोण से। आज भारत तीव्र वैश्वीकरण, तकनीकी परिवर्तन और सांस्कृतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। परिवार व्यवस्था, सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान पर नए प्रश्न खड़े हो रहे हैं। धर्मांतरण, सांस्कृतिक अस्मिता, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और सामाजिक समरसता जैसे विषय सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। इन विषयों पर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक दृष्टिकोण हो सकते हैं, किंतु एक बात निर्विवाद है कि किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक स्थिरता उसके सांस्कृतिक आत्मविश्वास, नैतिक मूल्यों और सामाजिक एकता पर निर्भर करती है। धर्म का वास्तविक अर्थ : कर्तव्य और उत्तरदायित्वः भारतीय संस्कृति में धर्म का अर्थ केवल मंदिर जाना या धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं है। माता-पिता की सेवा, सत्य का पालन, राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और दुर्बलों की रक्षा भी धर्म के ही स्वरूप हैं। महाराणा प्रताप का संघर्ष, राजा दिलीप का त्याग, आदि शंकराचार्य का राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक अभियान और भगवान श्रीराम का आदर्श शासन, इन सबमें धर्म जीवन-मूल्यों के रूप में प्रकट होता है, किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान के रूप में नहीं। कुल निष्कर्ष रूप में कहें तो भारत में धर्म और राजनीति को कभी दो विरोधी संस्थाएं नहीं माना गया। भारतीय राजनीतिक दर्शन का मूल सिद्धांत यह रहा कि राजसत्ता धर्म अर्थात न्याय, मर्यादा और लोककल्याण के अधीन रहे। यही 'राजधर्म' भारतीय राज्य-चिंतन की आत्मा है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि 'धर्म' और 'रिलीजन' के बीच के अंतर को समझा जाए तथा भारतीय सभ्यता की अवधारणाओं का मूल्यांकन उसकी अपनी वैचारिक पृष्ठभूमि में किया जाए। आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों और भारतीय सांस्कृतिक दर्शन के बीच संतुलन स्थापित करके ही ऐसा समाज निर्मित किया जा सकता है, जो प्रगतिशील भी हो और अपनी सभ्यतागत जड़ों से जुड़ा भी रहे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जगन्नाथ रथयात्रा : उतार-चढ़ाव, विध्वंस और पुनर्निर्माण के बीच अमर है आस्था की परंपरा

> ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए।

रमेश शर्मा

पूरी पुरी की विश्वविख्यात भगवान जगन्नाथ रथयात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है। इस वर्ष रथयात्रा शुरू हो गई है जोकि 24 जुलाई तक आयोजित होगी। 25 जुलाई को नीलाद्री बीजे के साथ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मुख्य मंदिर में वापसी होगी तथा 27 जुलाई से पुनः दर्शन आरंभ होंगे। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इस महापर्व में सहभागी बनते हैं और यह सिद्ध करते हैं कि भारत की आध्यात्मिक चेतना समय, सत्ता और परिस्थितियों से कहीं अधिक शक्तिशाली है। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर चार धामों में से एक है तथा आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित गोवर्धन मठ का भी केंद्र है। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ के रूप में अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को तीनों देवता भव्य रथों पर आरूढ़ होकर गुंडिचा मंदिर की यात्रा करते हैं और कुछ दिनों बाद पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। भगवान जगन्नाथ नंदीघोष, बलभद्र तालध्वज और देवी सुभद्रा दर्पदलन रथ पर विराजते हैं। लाखों श्रद्धालु लगभग 50 मीटर लंबी रस्सियों से इन रथों को हाथों से खींचते हैं। रथ को खींचना ईश्वर की सेवा और पुण्य का कार्य माना जाता है। यही कारण है कि इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र की सभी सीमाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। रथयात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया से प्रारंभ होती है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं और उनका निर्माण पूरी तरह पारंपरिक शिल्पकला से होता है। आधुनिक मशीनों के स्थान पर स्थानीय कारीगर अपनी पीढ़ियों से चली आ रही कला का उपयोग करते हैं। रथों के निर्माण में मुख्यतः काष्ठ का प्रयोग होता है और प्रकृति के संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाता है। यह परंपरा भारतीय संस्कृति के उस विचार को पुष्ट करती है कि धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। साथ ही यह स्थानीय शिल्पकारों और लोककला को जीवित रखने का भी प्रभावी माध्यम है। रथयात्रा का सबसे प्रेरक दृश्य वह होता है जब पुरी के गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। इस परंपरा को 'छेरा पहरा' कहा जाता है। राजा के साथ राजपुरोहित तथा सबर जनजाति के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहते हैं। राजा द्वारा झाड़ू लगाना यह संदेश देता है कि ईश्वर के समक्ष कोई बड़ा या छोटा नहीं है। मंदिर की सेवा-व्यवस्था में भी विभिन्न समाजों और परंपराओं के लोगों की सहभागिता रहती है। यही कारण है कि जगन्नाथ धाम भारतीय सामाजिक समरसता और समावेशी संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि यह क्षेत्र प्राचीनकाल में सबर जनजाति का था। उनके प्रमुख विश्ववसु भगवान नीलमाधव के उपासक थे। राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान ने मंदिर निर्माण का आदेश दिया। बाद में समुद्र से प्राप्त दिव्य काष्ठ से भगवान की प्रतिमा बनाने का निर्देश मिला। स्वयं विश्वकर्मा बढ़ई के रूप में प्रतिमा निर्माण के लिए आए और अधूरी प्रतीत होने वाली उन्हीं प्रतिमाओं की स्थापना की गई। आज भी भगवान जगन्नाथ की विशिष्ट काष्ठ प्रतिमाएं उसी परंपरा का प्रतीक हैं। जगन्नाथ परंपरा भारत की सांस्कृतिक अखंडता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में, कर्मभूमि द्वारका में और जगन्नाथ रूप में उनका प्रतिष्ठान पुरी में है। मान्यता है कि प्रथम काष्ठ समुद्र के माध्यम से द्वारका से पुरी पहुँचा। दूसरी ओर, देवी सुभद्रा का संबंध हस्तिनापुर से माना जाता है, जबकि विभीषण की आराधना से जुड़ी परंपरा दक्षिण की सांस्कृतिक स्मृतियों को जोड़ती है। इस प्रकार पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण-संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक चेतना इस एक मंदिर और रथयात्रा में समाहित दिखाई देती है। साथ ही भगवान अपने भाई और बहन के साथ विराजमान होकर भारतीय परिवार व्यवस्था और पारिवारिक समन्वय का भी संदेश देते हैं। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास भक्ति के साथ ही संघर्ष और पुनर्जागरण का भी इतिहास है। 14वीं शताब्दी से लेकर मुगल काल तक मंदिर पर अनेक आक्रमण हुए। इलियास शाह, फिरोज शाह तुगलक, इस्माइल गाजी, अफगान आक्रमणकारी काला पहाड़ तथा बाद में कई मुगल सेनापतियों ने मंदिर को क्षति पहुँचाई। सबसे भीषण आक्रमण 1568 में काला पहाड़ और बाद में औरंगजेब के शासनकाल में हुआ। अनेक बार मंदिर को ध्वस्त किया गया, लूटपाट हुई और श्रद्धालुओं का नरसंहार भी हुआ। किंतु हर संकट के समय पुजारियों और भक्तों ने भगवान की प्रतिमाओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाकर परंपरा को जीवित रखा। यही कारण है कि मंदिर का इतिहास विध्वंस से अधिक पुनर्निर्माण और अटूट आस्था का इतिहास बन गया। मुगल सत्ता के पतन के बाद मराठा शासनकाल में मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य गति पकड़ता है। आगे चलकर इंदौर की धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक शासकों और श्रद्धालुओं के प्रयासों से मंदिर को पुनः उसका गौरव प्राप्त हुआ।

आज जब समाज अनेक प्रकार की विभाजक प्रवृत्तियों का सामना कर रहा है, तब जगन्नाथ रथयात्रा हमें समरसता, सेवा, समानता और राष्ट्रीय एकात्मता का संदेश देती है। लाखों लोग बिना किसी भेदभाव के एक ही रस्सी को पकड़कर भगवान के रथ को आगे बढ़ाते हैं। यही दृश्य भारतीय संस्कृति के उस आदर्श को साकार करता है, जिसमें समूचा समाज एक परिवार माना गया है, इसीलिए जगन्नाथ रथयात्रा केवल ओडिशा का पर्व नहीं, बल्कि भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और अजेय आस्था का महापर्व है। सदियों तक आक्रमण, विध्वंस और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के बाद भी यह परंपरा आज उसी श्रद्धा, वैभव और उत्साह के साथ जीवित है। यही इसकी सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि और भारत की सांस्कृतिक शक्ति का सबसे सशक्त प्रमाण है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

25 जुलाई से बदलेगा इन 3 राशियों का भाग्य, करियर में होगा बड़ा उछाल

आ इस साल देवशयनी एकादशी 25 जुलाई, शनिवार को मनाई जाएगी। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसी के साथ चातुर्मास की भी शुरूआत होती है। हालांकि इस दौरान भी भगवान विष्णु की पूजा और एकादशी का व्रत उतना ही शुभ माना जाता है।

ज्योतिष के मुताबिक, इस बार की देवशयनी एकादशी 3 राशियों के लिए खास तौर पर शुभ मानी जा रही है। इन लोगों को करियर, पैसे और रिश्तों में अच्छे बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

मेष राशि वालों को करियर में मिल सकती है नई सफलता

देवशयनी एकादशी मेष राशि वालों के लिए अच्छी खबर लेकर आ सकती है। भगवान विष्णु की कृपा से कमाई के नए मौके मिल सकते हैं। अगर आपने पहले कहीं निवेश किया है, तो उससे फायदा होने की संभावना है। हालांकि कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले अच्छी तरह सोच लें।

नौकरी या बिजनेस में आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं और आपकी मेहनत का अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा। बस जरूरत से ज्यादा कॉन्फिडेंट होने से बचें, क्योंकि इससे काम बिगड़ भी सकता है। लव लाइफ और शादीशुदा जिंदगी में भी खुशियां बढ़ सकती हैं और पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

वृषभ राशि वालों को मेहनत का मिलेगा पूरा फायदा

वृषभ राशि वालों के लिए यह एकादशी करियर के लिहाज से काफी अच्छी रह सकती है। ऑफिस या काम की जगह पर आपकी मेहनत की तारीफ होगी और अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा से आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है। पुराने निवेश से अचानक फायदा मिलने के योग हैं, जिससे बचत भी बढ़ सकती है। अगर आप किसी क्रिएटिव फील्ड में हैं, तो आपको नई पहचान और अच्छे मौके मिल सकते हैं।

शुभ रंगः लाल

कन्या राशि वालों को पैसों और परिवार दोनों में मिलेगी खुशियां

कन्या राशि वालों के लिए देवशयनी एकादशी आर्थिक मामलों में शुभ मानी जा रही है। मां लक्ष्मी की कृपा से पैसों से जुड़ी परेशानियां कम हो सकती हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

अगर आप कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो समय आपके पक्ष में रह सकता है। करियर में आगे बढ़ने के अच्छे मौके मिलेंगे। सेहत ठीक रहेगी और परिवार का माहौल भी खुशहाल रहेगा। दोस्तों और करीबियों का साथ मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात भी हो सकती है, जो आपको खुशी देगी।

टिप्स

फ्रिज में रखने के बाद भी बारिश में सब्जियां जल्दी क्यों खराब हो जाती हैं?

बारिश का मौसम मन को भले ही कितना भी लुभावना लगे, लेकिन अक्सर यह अपने साथ किचन से जुड़ी कई परेशानियां लेकर आता है। इस मौसम में अक्सर सब्जियां काफी जल्दी खराब हो जाती हैं। दो-तीन दिन में ही सब्जियां नरम पड़ने लगती हैं, उन पर दाग आने लगते हैं या उनमें से अजीब-सी गंध आने लगती है। ऐसे में अक्सर हम परेशान होते हैं कि जब सब्जियां फ्रिज में रखी हैं, तो फिर वे खराब कैसे हो रही हैं?

हो सकता है कि आपने भी इस समस्या का सामना किया हो। दरअसल, बारिश के मौसम में हवा में नमी बहुत ज्यादा होती है और यही नमी सब्जियों की सबसे बड़ी दुश्मन बन जाती है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

बारिश में सब्जियां जल्दी खराब क्यों होती हैं?

सबसे पहले यह समझते हैं कि बारिश में सब्जियां फ्रिज में रखने के बाद भी खराब क्यों हो जाती है।

- बारिश के मौसम में वातावरण में नमी का स्तर बढ़ जाता है। चूंकि सब्जियां पहले से ही पानी से भरपूर होती हैं, तो ऐसे में नमी से उनमें फंगस, बैक्टीरिया और सड़न जल्दी शुरू हो सकती है।
- अगर गीली सब्जियों को यूं ही फ्रिज में रख दिया जाए, तो ऐसे में वे जल्दी गलने लगती हैं। खासकर धनिया, पालक, मेथी, भिंडी, लौकी, शिमला मिर्च जैसी सब्जियां इस वजह से जल्दी खराब होती हैं।
- कभी-कभी हम आलस या किसी अन्य वजह से फ्रिज की ट्रे में बहुत ज्यादा सब्जियां भरकर रख देते हैं। जिससे उनके बीच हवा ठीक से नहीं घूम पाती। इससे कुछ सब्जियां पसीजने लगती हैं और धीरे-धीरे बाकी सब्जियों को भी खराब करने लगती हैं।
- कभी-कभी फ्रिज में रखी एक खराब या गली हुई सब्जी भी बाकी सब्जियों को जल्द ही खराब कर देती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 website : www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के तहत पौधारोपण और किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण

✔ सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

संवाददाता

साहिबगंज:जिला समाज कल्याण पदाधिकारी साहिबगंज के मार्गदर्शन में मिल्ल +2 उच्च विद्यालय श्रीकुंड गुमानी बरहरवा में किशोरियों के सर्वांगीण विकास सुरक्षा व सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजनाःडायन प्रथा उन्मूलन डिजिटल साक्षरता बाल संरक्षण पॉक्सो अधिनियम गुड टच-बैड टच मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ बाल विवाह मुक्त भारत और सखी वन स्टॉप सेंटर से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।अधिकारियों ने छात्राओं को उनके अधिकारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह की रोकथाम महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कानूनी, चिकित्सीय, मनोवैज्ञानिक व परामर्श सेवाओं के संबंध में जागरूक किया।इसके साथ ही प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर फोस्टर केयर सहित विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए छात्राओं से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने व सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के तहत किशोरियों द्वारा पौधारोपण कराया गया। साथ ही किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी, संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख सुश्री चंदा कुमारी, परियोजना समन्वयक, चाइल्ड हेल्पलाइन श्री मो. इकबाल, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य, शिक्षकगण तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों ने छात्राओं से शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा सुरक्षित स्वस्थ व सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित जागरूक और आत्मनिर्भर बेटियाँ ही समृद्ध सुरक्षित व विकसित समाज की आधारशिला हैं।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार और सोनम वांगचुक के समर्थन में बरहेट में शांतिपूर्ण मार्च

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेटः वी इंडियन क्लब के तत्वावधान में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शाम शांतिपूर्ण मार्च निकाला गया।क्लब के अध्यक्ष जुनेद आलम के नेतृत्व में आयोजित इस मार्च में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मार्च नवाब चौक से शुरू होकर,शिवगादी चौक,मेन रोड, तिनमोहानी सहित अन्य मार्ग का भ्रमण कर समापन हुआ।मार्च विशेष रूप से नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर घटित हालिया घटनाक्रम के विरोध में और लद्दाख के प्रसिद्ध शिक्षा सुधारक व पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में आयोजित किया गया था। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक की समस्याओं का तत्काल और उचित निवारण किया जाए।उनकी जायज मांगों को पूरा करते हुए प्रशासन सम्मानजनक तरीके से उनका अनशन समाप्त करवाए। साथ ही, देश की शिक्षा व्यवस्था में जमीनी स्तर पर सुधार लाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।मौके पर मौजूद शांतिपूर्ण मार्च को सफल बनाने में मुख्य रूप से जुनेद आलम,वसीम आलम,समीर,सारिक,तंजीर, राकेश,अविनाश,अनिल,अक्षय, अमन सहित बड़ी संख्या में क्लब के सदस्य और अन्य मौजूद थे।

जिला बाल संरक्षण इकाई के बीच समन्वय को मिलेगा नया आयाम

संवाददाता

साहिबगंजःजिला बाल संरक्षण पदाधिकारीसाहिबगंज के द्वारा आज कोटालपोखर थाना में संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख साहिबगंज तथा परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्प लाइन साहिबगंज द्वारा थाना प्रभारी से औपचारिक मुलाकात कर बाल मित्र थाना' की अवधारणा, उद्देश्य, संरचना कार्य प्रणाली एवं दायित्वों के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की गई।बैठक के दौरान बताया गया कि बाल मित्र थाना का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे के लिए सुरक्षित, संवेदनशील, सम्मानजनक एवं बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है। ताकि संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों बाल अपराध से प्रभावित बच्चों तथा विधि से संघर्षरत बच्चों के मामलों का निस्तारण बाल हित सर्वोपरि के सिद्धांत के अनुरूप प्रभावी एवं मानवीय दृष्टिकोण से किया जा सके। इस अवसर पर बच्चों से संबंधित मामलों में पुलिस, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्प लाइन एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, आवश्यकता पड़ने पर त्वरित सहायता एवं संदर्भन रेफरल सुनिश्चित करने तथा किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम, 2015 सहित अन्य बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई।थाना प्रभारी ने बाल संरक्षण से जुड़े प्रत्येक मामले में पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर संवेदनशील एवं उत्तरदायी तरीके से कार्य किया जाएगा।यह संवादात्मक बैठक साहिबगंज जिले में बाल संरक्षण तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने संस्थागत समन्वय को मजबूत करने तथा प्रत्येक बच्चे के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल सिद्ध होगी।

पारदर्शी अद्यतन व शत-प्रतिशत प्रमाणिक बनाने में बीएलओ की भूमिका महत्वपूर्ण है

संवाददाता

साहिबगंजःभारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार झारखंड राज्य में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण, एसआईआर 2026 अभियान के अंतर्गत 5 पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बरहरवा प्रखंड स्थित मतदान केंद्र संख्या-137, 19, 134 एवं 39 के बूथ लेवल अधिकारियों ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य निर्धारित समय-सीमा से पूर्व, दिनांक 19 जुलाई 2026 तक शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया।इस उत्कृष्ट उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रखंड कार्यालय बरहरवा में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान जिक्र करते हुए बरहरवा द्वारा संबंधित सभी बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिला निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी, अद्यतन व शत-प्रतिशत प्रमाणिक बनाने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी सम्मानित बीएलओ के समर्पण अनुशासन व समयबद्ध कार्य निष्पादन की सराहना करते हुए इसे अन्य कर्मियों के लिए प्रेरणादायी बताया।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसी प्रकार की प्रतिबद्धता एवं टीम भावना के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के शेष कार्य भी सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाएंगे, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही एवं अद्यतन रूप में सुनिश्चित हो सके।

श्रावणी मेला में 'डबल डेकर' वाहनों का खतरा बरकरार

संवाददाता

देवघरः श्रावणी मेला शुरू होते ही बाबा बैद्यनाथ धाम में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु जलार्पण के लिए पहुंच रहे हैं. देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले अधिकांश श्रद्धालु सड़क मार्ग का सहारा लेते हैं. हालांकि, श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच एक बार फिर अस्थायी ढांचे वाले 'डबल डेकर' वाहन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं.

मालवाहक वाहनों से आ रहे हैं श्रद्धालु

बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों से आने वाले श्रद्धालु ट्रैक्टर, ट्रॉली, ट्रेलर और पिकअप जैसे मालवाहक वाहनों पर अस्थायी ढांचा बनाकर सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय कर देवघर पहुंच रहे हैं. इन वाहनों में ऊपर तक बैठने की व्यवस्था कर दी जाती है, ताकि एक साथ अधिक से अधिक श्रद्धालु कम खर्च में यात्रा कर सकें. लेकिन यह व्यवस्था सड़क सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक मानी जाती है. श्रद्धालुओं से बातचीत के दौरान अधिकांश लोगों ने स्वीकार किया कि अस्थायी ढांचा बनाने से अधिक लोग एक साथ यात्रा कर लेते हैं और खर्च भी कम पड़ता है. वहीं, जब उनसे इस यात्रा के खतरे के बारे में पूछा गया तो वे जवाब देने से बचते नजर आए.

सड़क हादसों की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन पहले ही ऐसे वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश जारी कर चुका है. संथाल परगना के आयुक्त संजय कुमार ने भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अस्थायी ढांचे वाले वाहनों को रोका जाए. उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि ऐसे अधिकांश वाहन बिहार से आते हैं, इसलिए बिहार सरकार से भी अनुरोध किया गया है कि उन्हें झारखंड सीमा में प्रवेश करने से पहले ही रोक दिया जाए.

बड़ी संख्या में 'डबल डेकर' वाहन देवघर पहुंच रहे हैं

इसके बावजूद बांग्ला सावन की शुरूआत से ही प्रतिदिन हजारों वाहन देवघर पहुंच रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या ऐसे 'डबल डेकर' वाहनों की भी है. ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि जब स्पष्ट आदेश जारी हो चुके हैं और अधिकारियों ने सख्ती के निर्देश भी दिए हैं, तो फिर आखिर इन खतरनाक वाहनों पर प्रभावी रोक क्यों नहीं लग पा रही है? कहीं यह लापरवाही किसी बड़े सड़क हादसे का कारण न बन जाए.

ऐसे वाहनों से दुर्घटना का खतरा काफी बढ़ जाता है

रोड सेफ्टी के जानकार और समाजसेवी रेशव का कहना है कि वाहनों पर लगाए जाने वाले अस्थायी ढांचे सड़क सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं. ऐसे ढांचों के कारण वाहन का संतुलन (बैलेंस) बिगड़ने की आशंका बढ़ जाती है. साथ ही, वाहन की चौड़ाई बढ़ जाने से पीछे से आने वाले वाहनों को ओवरटेक या साइड देने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती. कई बार अन्य वाहन चालकों को इस अतिरिक्त चौड़ाई का सही अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे टक्कर और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा काफी बढ़ जाता है.

राष्ट्रभक्ति भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करती है : प्राचार्य

संवाददाता

साहिबगंज:पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय साहिबगंज झारखंड में मंगलवार को आगामी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता दिवस विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार के मार्गदर्शन व संरक्षण में संपन्न हुआ।
प्रतियोगिता का संचालन विद्यालय के कला शिक्षक श्री राजू कुमार गोंड द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के कुल 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी चित्रकृतियों के माध्यम से तिरंगा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान राष्ट्रप्रेम राष्ट्रीय एकता स्वच्छ विकसित भारत और देशभक्ति की भावनाओं को अत्यंत आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।प्राचार्य आलोक कुमार ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में रचनात्मकता राष्ट्रभक्ति भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ व बधाई देकर किया गया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई।

जिला प्रशासन से जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान कराने की मांग

संवाददाता

साहिबगंज:जिले की विभिन्न ममता वाहन के संचालकों ने लंबित भुगतान की मांग को लेकर सोमवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान वाहन संचालकों ने बताया कि वर्ष 2023 से अब तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनके कार्य का भुगतान नहीं किया गया है।जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वाहन संचालकों ने कहा कि समय पर भुगतान नहीं होने के कारण वाहन संचालन चालक का वेतन रखरखाव और अन्य खर्चों का वहन करना कठिन हो गया है। उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान कराने की मांग की।उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात संबंधित अधिकारी से हुई। अधिकारियों ने संचालकों को आश्वस्त किया कि मामला उनके संज्ञान में है और इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए भुगतान की दिशा में विचार किया जाएगा।ममता वाहन संचालकों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करेगा। ताकि वे बिना किसी आर्थिक बाधा के स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

न्यूज IN ब्रीफ

बरकट्ठा में हाथी ने अधेड़ को पटककर ले ली जान, अबतक चार लोंगो की हो चुकी है मौत

बरकट्ठा : प्रखंड के बरकनगांगो में हाथी ने एक अधेड़ को पटककर जान ले ली। यह घटना सोमवार के शाम की है। मंगलवार के सुबह में ग्रामीणों के ढूंढने पर मृतक बाबूलाल साव पिता स्व भीखन साव का शव मिला। बताया जाता है कि मृतक सोमवार के दोपहर में घर से जंगल से सटे खेत में धान के बिचड़े को देखने गया। शाम तक नहीं लौटने पर गांव के चार पांच युवकों के साथ उसका बेटा ढूंढने निकला। रात नौ बजे तक लोग ढूंढते रहे लेकिन पता नहीं चला। फिर सुबह में गांव के लोग ढूंढने निकले। तो देखा कि उसका शव पड़ा हुआ है। इधर वन विभाग दो दिनों से हाथी के आने का अनाउंसमेंट कर रहा था। हाथी के हमले में हुई मौत के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। लोंगो ने डीएफओ को बुलाने की मांग और आश्रित को मुआवजा के साथ नौकरी देने की मांग को लेकर शव नहीं उठने दे रहे थे। वन विभाग के पदाधिकारियों ने लोंगो को समझा बुझाकर शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने भेजा। वन विभाग के पदाधिकारियों ने शव को उठाने वक्त मृतक के आश्रित को फिलहाल दाह संस्कार के लिए एक लाख दिया। जबकि मुआवजा राशि के बकाया राशि नौ लाख रुपये कागजी प्रक्रिया पूरी होने पर दी जाएगी।

हाथी के हमलों का आंकड़ा

अबतक बरकनगांगो में हांथी के हमले में चार लोंगो की जान जा चुकी है। वर्ष 2020 में एक साथ दो लोगों की मौत हो चुकी। जबकि 2025 में एक और व्यक्ति की मौत हुई थी। प्रखंड क्षेत्र अलग अलग गांव में एक माह के भीतर तीन लोंगो की मौत हाथी के हमले में हुई है। जुलाई माह में हाथी के हमले में पहली बार केंदुआ में हुई। हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई। दूसरी घटना बंडासिंघा में हाथी ने एक युवक की जान ले ली। तीसरी घटना सोमवार को बरकनगांगो में हुई।

ग्रामीणों की चिंताएं

ग्रामीणों के अनुसार तीन हाथियों का दल आक्रामक हो चुका है। हाथी आदमी को देखते ही हमला कर देता है। ग्रामीणों ने आक्रामक हो चुके हाथी को वन विभाग से सुरक्षित स्थान की ओर ले जाने की मांग की है। लोंगो के मुताबिक हाथियों के एक और झुंड है। जिसमें दो दर्जन की संख्या है। वह झुंड कभी कोडरमा जिले के जंटल्लॉ१ तो कभी चलकुशा और बरकट्ठा में भ्रमण करता है। लेकिन किसी जन को क्षति नहीं पहुंचाया है। यही तीन हाथी ही आक्रामक हमला करता है। हालांकि वन विभाग दो दिनों से क्षेत्र में हाथी आने की सूचना और सचेत रहने को लेकर लगातार अनाउंसमेंट कर रहा था। इसके बावजूद हाथी द्वारा हमला होने की घटना हो गई।

खेतों की सुरक्षा की आवश्यकता

बरकनगांगो के ग्रामीणों की सभी खेती किसानी जंगल से सटा हुआ है। खेती देखने लोग सुबह शाम जाते हैं। हाथियों के आने और हमले से लोग भयभीत हैं।

जिला रविदास महासभा चुनाव में भाग लेने की अपील

हजारीबाग : जिला रविदास महासभा अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डॉ अम्बेडकर भागवत ने आगामी 26 जुलाई को होने वाले चुनाव को लेकर समाज के सभी मतदाताओं से भारी संख्या में मतदान करने की अपील की है।उन्होंने वर्तमान व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले लगभग 10 वर्षों से संगठन का संचालन सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा था, जिसके कारण समाजहित के कार्य अपेक्षित गति नहीं पकड़ सके। डॉ भागवत ने बल देते हुए कहा कि यह चुनाव केवल पद के लिए नहीं, बल्कि युवाओं, महिलाओं और जरूरतमंदों के हितों की रक्षा तथा समाज को एक नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है।उन्होंने सभी मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और 26 जुलाई को अपने मताधिकार का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आग्रह किया है।

जेएलकेएम ने आक्रोश मार्च निकाल कर मांगा केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

विष्णुगढ़ : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की विष्णुगढ़ प्रखंड कमेटी ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के समर्थन एवं केंद्र सरकार के विरोध में सोमवार को पैदल आक्रोश मार्च निकाला। मार्च सातमील चौक से शुरू होकर करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी तय करते हुए हॉस्पिटल चौक पहुंचा। मार्च के दौरान कार्यकताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो, नीट पेपर लीक बंद करो, जस्टिस फॉर नीट स्टूडेंट्स, स्टॉप पेपर लीक, सेव आवर फ्यूचर तथा वी सपोर्ट सोनम वांगचुक जैसे नारे लगाए। मार्च का नेतृत्व कर रहे प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शिक्षा एवं परीक्षा व्यवस्था को संभालने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक की घटनाओं से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और युवाओं का मनोबल टूट रहा है।उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार की आलोचना की। जिला उपाध्यक्ष सुरेश महतो ने केंद्र सरकार को गरीब, मजदूर, किसान, युवा, महिला एवं छात्र विरोधी बताया। वहीं प्रखंड कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने कहा कि पेपर लीक का मामला बेहद गंभीर है और इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। आक्रोश मार्च में पूर्व जिला परिषद सदस्य जयप्रकाश सिंह पटेल, केंद्रीय महिला मोर्चा महासचिव पूनम कुमारी, खेमनारायण महतो, घनश्याम महतो, टहल महतो, नंदलाल महतो, रामचंद्र राम, प्रेमचंद महतो, नरेश महतो, विशेश्वर कुमार, अभिषेक कुमार, टेकलाल महतो, योगेंद्र महतो, बैजनाथ महतो, प्रकाश महतो, निर्मल महतो, बालदेव महतो, प्रवीण महतो, मुकेश कुमार, संजय महतो सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

कोयला खदान में जलभराव आपदा से बचाव को लेकर मॉक ड्रिल

केरेडारी : एनटीपीसी एनएमएल केरेडारी कोयला खनन परियोजना में मंगलवार को खदान में संभावित जलभराव आपदा से निपटने के लिए एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।
सामग्री और कार्रवाई इस अभ्यास में विभिन्न एजेंसियों के बीच उत्कृष्ट समन्वय, त्वरित निर्णय क्षमता एवं प्रभावी बचाव कार्य का प्रदर्शन देखने को मिला। यह अभ्यास परियोजना के प्रमुख अरुण कुमार सक्सेना के नेतृत्व एवं एनडीआरएफ के उप कमांडेंट विनय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल रांची की टीम द्वारा संचालित इस मॉक ड्रिल में टीम कमांडर सूरज कुमार तथा अंचल अधिकारी विपिन चंद्र विश्वास की देखरेख में बचाव कार्य को अंजाम दिया गया।
अभ्यास के दौरान खदान में अचानक जलभराव की काल्पनिक स्थिति उत्पन्न की गई। जिसमें 16 कर्मियों के फंसे होने का परिदृश्य तैयार किया गया। सूचना मिलते ही नियंत्रण कक्ष सक्रिय हुआ और एम्बुलेंस, अग्निशमन दल तथा बचाव दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। सुनियोजित रणनीति और समन्वित प्रयासों के माध्यम से सभी 16 कर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

फैंस से पूछा- आपकी तबियत कैसी है?

आधी रात सलमान खान ने किया पोस्ट

कैप्शन ने खींचा ध्यान

सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने उनकी कुछ तस्वीरें डालीं। इन तस्वीरों में एक्टर हैट लगाए ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा सबसे ज्यादा जिस चीज ने ध्यान खींचा वो था उनका कैप्शन। उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'आप लोगों की तबीयत कैसी है?' अब उनके कैप्शन को एक तंज के तौर पर लिया जा रहा है।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने रविवार देर रात एक पोस्ट शेयर की, जो अब चर्चाओं में आ गई है। जानिए क्या है पूरा मामला। एक्टर सलमान खान अगर देर रात कुछ पोस्ट करते हैं, तो उसके पीछे जरूर कुछ वजह होती है। वे अक्सर अपने इंस्टाग्राम और एक्स पर ऐसी पोस्ट शेयर किया करते हैं। अब हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसा पोस्ट किया, जो काफी वायरल हो रहा है।

बीते दिनों वीडियो हुआ था वायरल

दरअसल बीते दिनों उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कई फैंस ने उनके लुक को देखकर उनकी तबीयत ठीक होने के सवाल पूछे थे। इसके अलावा कई पैपराजी पेज ने भी उस वीडियो पर उनकी तबीयत से जुड़ा कैप्शन लिखकर वीडियो शेयर किया था। अब सलमान खान का ये पोस्ट उन सभी बातों पर तंज की तरह देखा जा रहा है। हालांकि सलमान ने इस मामले पर सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है।

राष्ट्रीय पुरस्कारों में आर्टिकल 370 का दबदबा, आदित्य धर बोले-

ईमानदारी, साहस और निष्ठा के साथ बनाई फिल्म

फिल्म निर्माता आदित्य धर ने फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर आभार व्यक्त किया है। आदित्य धर ने हाल ही में 'धुरंधरः द रिवेंज' का निर्देशन किया। फिल्म 'आर्टिकल 370' ने सर्वश्रेष्ठ संगीत, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए 3 पुरस्कार जीतकर राष्ट्रीय पुरस्कारों में अपना दबदबा कायम किया। आदित्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक लंबा नोट लिखा। उन्होंने कहा, ''आर्टिकल 370' के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना एक ऐसा क्षण है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

यह मेरे लिए गर्व की बात है, बेहद भावुक कर देने वाला है और मेरे दिल को अपार कृतज्ञता से भर देता है। जब हमने इस फिल्म को बनाना शुरू किया था, तब हमारा मकसद पुरस्कारों के पीछे भागना नहीं था। हम एक दृढ़ विश्वास से प्रेरित थे, एक ऐसी कहानी को ईमानदारी, साहस और निष्ठा के साथ कहना। अब यह देखना वाकई बहुत भावुक कर देने वाला है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को इतना पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'इस अविश्वसनीय सम्मान के लिए मैं सम्मानित जूरी का तहे दिल से आभारी हूं और उन सभी लोगों का भी जिन्होंने 'आर्टिकल 370' को देखा, समर्थन दिया, इस पर बहस की और इस पर विश्वास किया। आपके प्यार ने इस फिल्म को पर्दे से परे एक जीवंतता दी। यह सम्मान हमारे असाधारण निर्देशक आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी दूरदृष्टि और दृढ़ विश्वास ने हर दृश्य को आकार दिया। यामी गौतम धर और प्रियामणि का भी, जिन्होंने अपने अभिनय में इतनी गहराई, शक्ति और प्रामाणिकता लाई। शाश्वत सचदेव का भी, जिनका संगीत हमारी फिल्म की आत्मा बन गया।

'इश्क़नामा' के 'नरक' को

शहनाज़ ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज़्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्ज़न को लेकर शहनाज़ गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्ज़न रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्ज़न से भी जुड़ेंगे। शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज़ से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है।

● आपत्तिजनक कंटेंट के सवाल पर निरहुआ बोले-

सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को निशाना बनाना ठीक नहीं

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। आईएएनएस से ??बात करते हुए निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है। '

भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है। एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है। भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं।

नेहा ने कामकाजी महिलाओं को लेकर कही बात

पार्टनर के सपोर्ट को बताया जरूरी

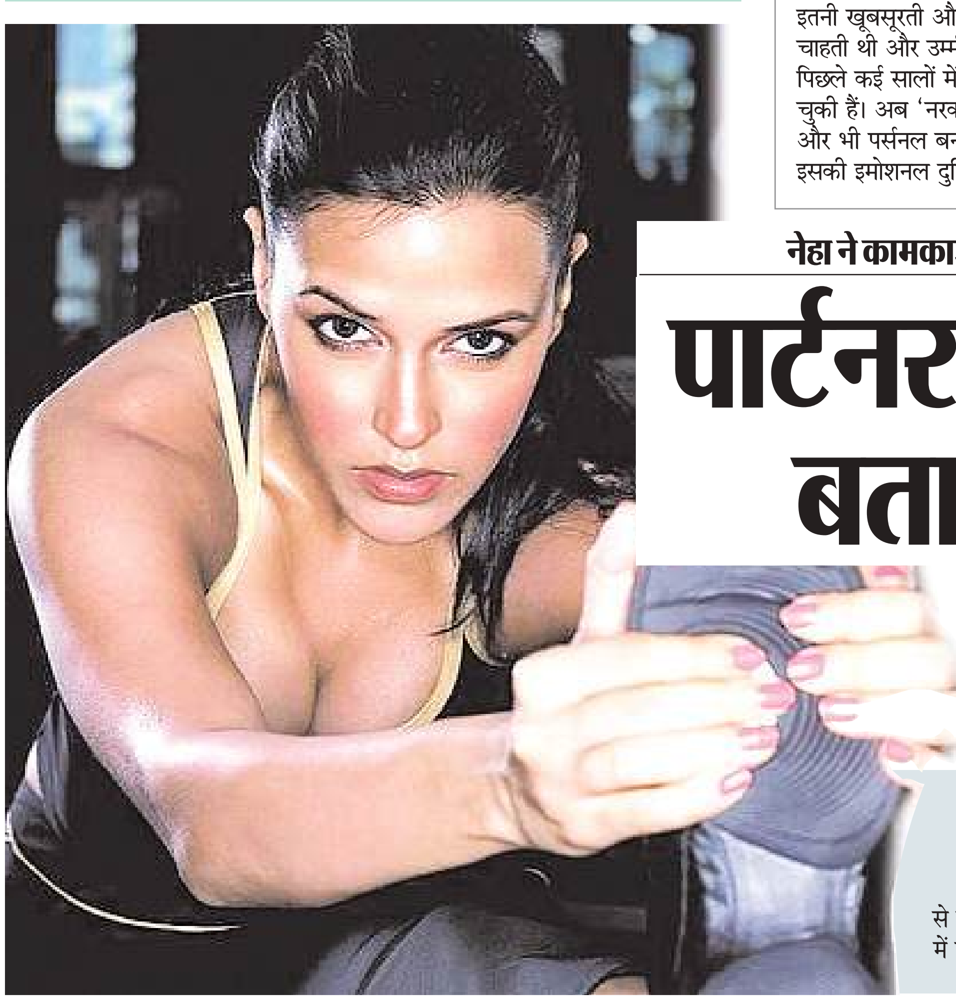

नेहा धूपिया महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर मुखर होकर बोलती हैं। हाल ही में उन्होंने एक पॉडकास्ट में कामकाजी महिलाओं की समस्याओं और समाधान को लेकर बात की। हाल ही में नेहा धूपिया ने एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट में शिरकत की। इस पॉडकास्ट में नेहा ने शादी और मां बनने के बाद हुए बदलावों का जिक्र किया। साथ ही बताया कि बिना सपोर्ट के कामकाजी महिलाओं का जीवन आसान नहीं है।

अंगद ने सपोर्ट किया

नेहा धूपिया ने बताया कि बेटी मेहर के जन्म के बाद उनकी जिंदगी काफी बदल गई थी। लेकिन पति अंगद का सपोर्ट भी मिला। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हर कामकाजी महिला के पीछे आमतौर पर एक आदमी होता है जो उसे संभालता है। वह आपका पार्टनर और आपका पति होता है। अगर ऐसा नहीं है, तो समझ लीजिए कि कोई समस्या है, क्योंकि यह मुश्किल काम होता है।

नेहा-अंगद की शादी को हो चुके हैं 8 साल

नेहा धूपिया ने मई 2018 में दिल्ली में एक निजी समारोह में एक्टर अंगद बेदी से शादी की थी। साल 2018 में उनकी बेटी मेहर का जन्म हुआ। फिर साल 2021 में बेटे को नेहा ने जन्म दिया। इन दिनों भी नेहा फिल्मों में अभिनय करती हैं।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में इन भारतीय खिलाड़ियों पर रहेंगी पदक की सबसे बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली : 23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल एक बार फिर दमदार प्रदर्शन के इरादे से उतरेगा। अनुभवी सितारों और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण वाली भारतीय टीम से कई स्पधाओं में पदक की उम्मीद की जा रही है। खासकर नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहैन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर देश की नजरें टिकी होंगी। इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में 74 देशों और क्षेत्रों के तीन हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तैराकी, कलात्मक जिम्नास्टिक, ट्रैक

साइकिलिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और 3x3 बास्केटबॉल समेत 10 खेल शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा पर फिर रहेंगी स्वर्ण पदक की उम्मीदें

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एक बार फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। उनसे स्वर्ण पदक की सबसे मजबूत उम्मीद मानी जा रही है।

मीराबाई चानू रच सकती हैं गोल्ड की हैट्रिक

भारोत्तोलन में भारत की स्टार खिलाड़ी मीराबाई चानू अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। ग्लासगो में वह लगातार तीसरा स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगी।

लवलीना बोरगोहैन से मुक्केबाजी में बड़ी आस

टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन लवलीना बोरगोहैन महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग में भारत की सबसे बड़ी पदक दावेदार होंगी। अपनी निरंतरता और अनुभव के दम पर उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद की जा रही है।

गुरिंदरवीर सिंह पर होगी सबकी नजर

भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस वर्ष 100 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए 10.09 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रमंडल खेलों में वह पहली बार हिस्सा लेंगे और एथलेटिक्स में भारत के लिए पदक जीतने की क्षमता रखते हैं।

विश्व कप जीत के बाद भावुक हुए पेड्री और दानी ओल्मो, बोले- यह सफलता पूरे स्पेन की

मैड्रिड : फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद स्पेन के स्टार फुटबॉलर पेड्री गोंजालेज और दानी ओल्मो ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा करते हुए उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि यह ऐतिहासिक सफलता पूरे स्पेन की है। स्पेन ने विश्व कप 2026 के फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर इतिहास रचते हुए अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब जीता। विश्व कप जीत के बाद राजधानी मैड्रिड सहित पूरे स्पेन में जश्न का माहौल रहा। हजारों प्रशंसकों के साथ जीत का उत्सव मनाने के बाद मिडफील्डर दानी ओल्मो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ₹अब भी मेरे पास शब्द नहीं हैं। कल के जश्न में हमारे साथ शामिल होने और पूरे विश्व कप के दौरान लगातार हमारा साथ देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर पेड्री गोंजालेज ने भी भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, ₹सबसे बड़ी सफलता मेरे अपने लोग हैं। हमने साथ मिलकर सपने देखे और साथ मिलकर यह सफर तय किया। फाइनल मुकाबले में अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निर्णायक गोल कर स्पेन को 1-0 की जीत दिलाई। निको विलियम्स के हेडर पर मिले पास को टोरेस ने गोल में बदलकर स्पेन को विश्व चैंपियन बना दिया। मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और लगातार गोल के मौके बनाए। हालांकि, अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने 12 शानदार बचाव कर अपनी टीम को लंबे समय तक मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अंततः टोरेस के गोल ने स्पेन को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्पेन ने 16 वर्षों बाद फिर से फीफा विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की। इससे पहले उसने 2010 में पहली बार विश्व कप जीता था। विश्व कप 2026 में स्पेन पूरे टूनामेंट में अपराजित रहा और यूईएफए यूरो 2024 खिताब के बाद एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय सफलता अपने नाम की।

अमेरिकी हमले की 11वीं रात, ईरान के सैन्य ठिकानों पर बरसाए बम

तेहरान में वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : अमेरिका ने लगातार 11वीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर बमबारी की है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है।सेंटकॉम ने एक्स पर लिखा, " स्थानीय समयानुसार आज शाम 7 बजे (पूर्वी समय) ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला शुरू किया। यह लगातार 11वीं रात है।" अमेरिकी हमलों की ताजा श्रृंखला को देखते हुए तेहरान में वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस सिस्टम) को सक्रिय किया गया है। सीएनएन, अल जजीरा, एबीसी न्यूज और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी हमले को देखते हुए ईरान ने राजधानी तेहरान के कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिव किया है। ईरान की सरकारी प्रसारक संस्था आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान के पश्चिम, पूर्व और उत्तर-पूर्वी इलाकों में धमाकों की आवाज सुनी गई। सेंटकॉम ने कहा, ₹पिछले तीन महीनों में ईरान ने

क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग से गुजरने वाले 30 से ज्यादा कमर्शियल जहाजो पर हमला किया है। बेवजह किए गए हमलों ने सैकड़ों निर्दोष नाविकों की जान खतरे में डाली है और नेविगेशन की आजादी को कमजोर किया है। बताया गया है कि इस बीच कतर के प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने सऊदी अरब के विदेशमंत्री फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला अल सऊद से टेलीफोन पर बातचीत की। कतर के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने तनाव कम करने, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने के लिए राजनयिक प्रयासों को तेज करने तथा आपसी समन्वय बढ़ाने पर चर्चा की। शेख मोहम्मद ने जोर दिया कि सभी पक्ष कूटनीति के प्रति प्रतिबद्ध रहें। अमेरिका तथा ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन में सहमत प्रावधानों को लागू करवाने के लिए प्रयास करें। अमेरिका-ईरान युद्ध की गूंज अमेरिकी सीनेट में हुई है। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ को कांग्रेस की सुनवाई के दौरान ईरान से जुड़े सैन्य अभियान और उस पर होने वाले खर्च को लेकर विपक्ष के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा।महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ एकीकृत हमले शुरू किए। पहले ही दिन ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई, उनके परिवार के कई सदस्य और वरिष्ठ कमांडर मारे गए। इस बीच सुलह के प्रयास भी हुए। जून में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों ने बातचीत शुरू की। संघर्ष विराम भी हुआ। बावजूद इसके अमेरिका और ईरान के बीच हमले जारी रहे। तब से होर्मुज जलडमरूमध्य ही मुख्य तनाव के केंद्र में है। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने पिछले हफ्ते जॉर्डन के एयर बेस पर हुए हमले में मारे गए तीसरे सैनिक की पहचान कर ली है। रक्षा विभाग ने बयान में कहा, ₹माना जा रहा है कि न्यूयॉर्क के ओजोन पार्क के 28 वर्षीय सार्जेंट एंजेल एस. रामप्रसाद की मौत 17 जुलाई को जॉर्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर ईरान के हमले के दौरान हुई थी। घटना की जांच चल रही है।₹ सेंटकॉम ने पहले इस सैनिक को लापता घोषित किया था। विभाग ने कहा कि इस हमले में टेक्सास के कैरोलटन की 19 साल की इसाबेला गोंजालेस और हवाई के एवा बीच के 25 वर्षीय फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर फीहन की भी मौत हो गई।रक्षा विभाग ने इराक में मारे गए एक सर्विस मेंबर की भी पहचान की है। इसके साथ ही युद्ध शुरू होने के बाद से मारे गए अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या 18 हो गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इस महीने ईरानी हमलों में लगभग 100 अमेरिकी सर्विस मेंबर घायल हुए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को उन अमेरिकी सैनिकों के सम्मानजनक हस्तांतरण समारोह में शामिल होंगे जो हाल के दिनों में ईरान के हमलों में मारे गए हैं। समारोह डेलावेयर में डोवर एयर फोर्स बेस पर सुबह 11 बजे होगा।

उधर, ईरान भी पूरी तरह आक्रामक है। कुवैत ने कहा कि वह ईरानी ड्रोन हमलों से बचाव कर रहा है। एयर डिफेंस सिस्टम हमलों को रोक रहा है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स ने कहा कि कुवैत के अली अल सलेम बेस को निशाना बनाया गया है। वहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने देवीपाटन मंदिर में की मां पाटेश्वरी की आराधना,

गौशाला में गायों को खिलाया हरा चारा

एजेंसी

बलरामपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय देवीपाटन प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को गुप्त नवरात्रि की अष्टमी पर शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में विधि-विधान से मां पाटेश्वरी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां से प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री मंगलवार की शाम करीब 5 बजे देवीपाटन मंदिर पहुंचे थे। मंदिर में रात्रि विश्राम करने के बाद बुधवार सुबह लगभग 7 बजे वह मंदिर के गर्भगृह पहुंचे, जहां उन्होंने अष्टमी पूजन एवं विशेष आराधना की। दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री ने देवीपाटन पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नाथ योगी महाराज के साथ मंदिर परिसर का भ्रमण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गायों को अपने हाथों से

हरा चारा खिलाया और उन्हें दुलार किया। गौशाला में कुछ समय बिताने के बाद वह वापस मंदिर परिसर आए। इस दौरान रास्ते में मौजूद छोटे-छोटे बच्चों को मुख्यमंत्री ने चॉकलेट वितरित की और उनसे आत्मीयता से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के दर्शन के दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने ₹मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद₹ और ₹जय मां पाटेश्वरी₹ के जयघोष लगाए। मुख्यमंत्री ने भी श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार शाम देवीपाटन मंदिर पहुंचे थे। आगमन के बाद उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से मुलाकात कर क्षेत्र

मणिपुर में पिस्तौल के साथ प्रीपाक (प्रो) का सक्रिय कैडर गिरफ्तार

इंफाल : सुरक्षा बलों ने मणिपुर के थौबल ज़िले में एक अभियान के दौरान प्रतिबंधित प्रीपाक (प्रोग्रेसिव) गुट के एक सक्रिय कैडर को गिरफ़्तार किया है। गिरफ़्तार व्यक्ति की पहचान स्वयंभू कैप्टन लौरमबम कुमार मैतेई (उर्फ. कांतो, उर्फ. नाओबी, उर्फ. अबुंग) (43) के रूप में हुई है, जो इंफाल वेस्ट ज़िले के हाओबम मारक लौरम लीकाई का रहने वाला है। पुलिस अधिकारियों ने आज बताया है कि यह अभियान 21 जुलाई को थौबल ज़िले के लिलोंग पुलिस स्टेशन के तहत लिलोंग आलिया लमखाई इलाके में चलाया गया था, जिसमें उग्रवादी को पकड़ा गया। अभियान के दौरान, सुरक्षा कर्मियों ने उसके पास से एक .32 कैलिबर की पिस्तौल और एक मैगजीन बरामद की। गिरफ़्तार सदस्य और जब्त हथियार को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया है। सुरक्षा बल राज्य भर में 'शांति के लिए हथियार छोड़ें' पहल के तहत उग्रवाद-विरोधी अभियान और अवैध हथियार बरामद करने की कोशिशें तेज कर दिए हैं।

चलती ट्रेन में मोबाइल झपटने वाला गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल खरीदने वाला दुकानदार भी दबोचा गया

एजेंसी

सीवान : चलती ट्रेन में यात्रियों के हाथ से मोबाइल झपटने वाले एक शातिर अपराधी को रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी सीवान की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी का मोबाइल खरीदने वाले एक दुकानदार को भी दबोच लिया। दोनों के पास से चोरी का एक रियलमी नार्जो मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव एवं जीआरपी प्रभारी निरीक्षक विकास कुमार आजाद के नेतृत्व में संयुक्त टीम सीवान रेलवे स्टेशन के पूर्वी आउटर स्थित मालगोदाम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि 14005 सीतामढ़ी-आनंद विहार लिच्छवी एक्सप्रेस के सीवान पहुंचने से पहले एक युवक ने यात्री राजा कुमार के हाथ से चलती ट्रेन में मोबाइल झपट लिया और फरार हो गया। घटना के बाद आरपीएफ एवं जीआरपी की टीम ने निगरानी तेज कर दी। कुछ ही देर बाद वही युवक लोहित एक्सप्रेस में दोबारा यात्रियों का मोबाइल झपटने की कोशिश करते हुए दिखाई दिया। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम सेराज अंसारी (20 वर्ष), निवासी इस्लामिया नगर, लक्ष्मीपुर, थाना नगर, जिला सीवान बताया। उसने स्वीकार किया कि वह झपटे गए मोबाइल सिसवन ढाला स्थित मोबाइल दुकानदार लाल बाबू कुमार को बेचता है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुकानदार के यहां छापेमारी की और वहां से चोरी का रियलमी नार्जो मोबाइल बरामद कर लाल बाबू कुमार (27 वर्ष), निवासी लक्ष्मीपुर वार्ड-42, थाना नगर, जिला सीवान को भी गिरफ्तार कर लिया।

मध्य प्रदेश के 15 जिलों में आज भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट, अगले चार दिन तेज बारिश के आसार

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। पिछले 36 घंटों के दौरान प्रदेश के 35 से अधिक जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। अगले चार दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। आज बुधवार को 15 जिलों के लिए भारी और अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी भोपाल में भी मंगलवार रात से लगातार रिमझिम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शिवपुरी, गुना, सागर और डिंडौरी में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान 4 से 8 इंच तक बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं, श्योपुर, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, नीमच, मंदसौर, उज्जैन, धार और बड़वानी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर और निवाड़ी में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश होने के आसार हैं।

असम में बाढ़ से 16 जिलों की 564660 आबादी प्रभावित, मृतकों की संख्या 34 हुई

एजेंसी

गुवाहाटी : असम और पड़ोसी राज्यों अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड आदि राज्यों में लगातार हो रही बरसात के चलते असम में बाढ़ के हालात बेहद गंभीर हो गये हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के 21 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य में एक दिन में कुल 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस तरह राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 34 हो गयी है। असम में खतरे के निशान से ऊपर बहने वाली नदियों में ब्रह्मपुत्र नदी (निमातीघाट), बुढ़ीदिहिंग (चेनीमारी, खोवांग), धनसिरी (गोलाघाट, नुमालीगढ़) शामिल हैं। बाढ़ के उच्चतम स्तर से

ऊपर बहने वाली नदियों में दिखौ (शिवसागर), दिसांग (नांगलामुराघाट) हैं। बाढ़ से वर्तमान समय में कुल 16 जिले प्रभावित हुए हैं। जिसमें गोलाघाट, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, बिश्वनाथ, धेमाजी, शोणितपुर, उदालगुरी, नगांव, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, तिनसुकिया, कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर एवं शिवसागर शामिल हैं। बाढ़ से 16 जिलों के 44 राजस्व मंडलों के कुल 872 गांव प्रभावित है। राज्य की कुल 564660 आबादी एवं 24210.35 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए कुल 71 राहत शिविर एवं 202 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 273 शिविर स्थापित किये हैं। राहत शिविरों में 12284 लोग आश्रय लिए हुए हैं, जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 100318 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। बाढ़ से 21 जुलाई को मरने वालों की संख्या 21 दर्ज हुई, जिसमें गोलाघाट में 2 (पुरुष), जोरहाट में 1 (महिला), चराईदेव में 5 (3 पुरुष, 1 बच्चा एवं 1 बच्ची), शिवसागर 13 (7 पुरुष, 4 महिला, 1 बच्चा, 1 बच्ची) शामिल हैं। वहीं बाढ़ से प्रभावित जानवरों की कुल संख्या 185029 दर्ज हुई है, जिसमें बड़े 61747, छोटे 92578 एवं मुर्गी-पालन 30704 दर्ज हुए हैं। इस बीच बाढ़ के पानी में कुल 107 जानवर बह गये, जिसमें बड़े 83, छोटे 04 और मुर्गी-पालन 20 बताये गये हैं। इस बीच बाढ़ के पानी के चलते मंगलवार को जोरहाट जिले में आंशिक रूप से 15 पक्के घर क्षतिग्रस्त हुए।

सराफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज शुरूआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में प्रति किलोग्राम 200 रुपये की गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

उज्जैन में बाबा महाकाल की शरण में पहुंचे 'रक्तांचल-3' के कलाकार

उज्जैन : हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई चर्चित वेब सीरीज 'रक्तांचल-3' की स्टारकास्ट बुधवार तड़के मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। अभिनेता निकितिन धीर, क्रांति प्रकाश झा और 'पंचायत' फेम चंदन राय ने तड़के होने वाली प्रसिद्ध भस्म आरती में हिस्सा लिया और बाबा महाकाल का विशेष पूजन व जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी वेब सीरीज 'रक्तांचल-3' के प्रचार-प्रसार के सिलसिले में इंदौर आई कलाकारों की टीम ने मंगलवार को मीडिया से रूबरू होने के बाद बुधवार तड़के उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। तड़के करीब चार बजे अभिनेता निकितिन धीर, क्रांति प्रकाश झा और वेब सीरीज 'पंचायत' में 'विकास' (सहायक सचिव) का किरदार निभाने वाले चंदन राय सीधे मंदिर परिसर पहुंचे। सभी कलाकारों ने लगभग दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दर्शन किए। भस्म आरती संपन्न होने के उपरांत सभी कलाकारों ने वैदिक परंपरा के अनुसार नंदी महाराज का विशेष पूजन किया और उनके कान में अपनी मनोकामना कही। इसके पश्चात कलाकारों ने चांदी द्वार से भगवान महाकाल का जल और दूध से अभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की। गर्भगृह में दर्शन पूजन के बाद उन्होंने मंदिर प्रांगण में स्थित अन्य देवी-देवताओं की चौखट पर भी शीश नवाया और देश भर के प्रशंसकों व अपनी कला की सफलता के लिए प्रार्थना की। दर्शन और पूजन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अभिनेता क्रांति प्रकाश झा अपने भावों को रोक नहीं सके और काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के अलौकिक दरबार में आकर उन्हें जो असीम शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा मिली है, उसे शब्दों में व्यक्त कर पाना नामुमकिन है। कलाकारों ने कहा कि महाकाल नगरी आकर भस्म आरती का हिस्सा बनना उनके लिए एक अविस्मरणीय और सौभाग्यशाली क्षण है।

मुख्यमंत्री साय ने अंतरराष्ट्रीय लोक कलाकार विक्रम यादव के स्वास्थ्य की जानकारी ली

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बुधवार सुबह अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार एवं प्रख्यात बांस वादक विक्रम यादव के परिजनों से दूरभाष पर चर्चा कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने परिजनों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके समुचित उपचार और आवश्यक सहयोग के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी है तथा इलाज में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजनांदगांव कलेक्टर से भी दूरभाष पर चर्चा कर विक्रम यादव के उपचार की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनका बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यकता के अनुसार सभी आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विक्रम यादव केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक धरोहर हैं। उन्होंने अपनी विशिष्ट बांस वादन शैली के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और भारत की समृद्ध परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री ने विक्रम यादव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार लोक कलाकारों के सम्मान, संरक्षण और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट बांस वादन शैली के लिए प्रसिद्ध विक्रम यादव वर्तमान में अस्वस्थ हैं और उनका उपचार राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

कछार में 2.4 करोड़ रुपये की संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी : असम पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत कछार जिले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 2.4 करोड़ रुपये मूल्य की 24,000 संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त की हैं। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान में एक और बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कछार पुलिस के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ₹असम अगेंस्ट ड्रग्स₹ अभियान के तहत मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी।

मप्र विधानसभा: आज अनुपूरक बजट पर होंगी चर्चा, पेपर लीक मामले पर हंगामे के आसार

भोपाल, : मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन हंगामेदार होने के आसार है। दरअसल, बुधवार को सरकार 7,765 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सदन में चर्चा के लिए रखेगी। वहीं, कांग्रेस राहुल गांधी को हिरासत में लेने समेत कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। कार्यसूची के अनुसार अनुपूरक बजट पर सदन में एक घंटे तक चर्चा होगी। इसके अलावा सरकार छह महत्वपूर्ण विधेयकों को भी चर्चा और पारित कराने के लिए पेश करेगी। इनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (मध्य प्रदेश संशोधन) विधेयक, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन) विधेयक, मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक तथा निरसन विधेयक सहित अन्य विधेयक शामिल हैं। सदन में विभिन्न विभागों से जुड़े 9 अलग-अलग विषयों पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी लिए जाएंगे, जिन पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने की संभावना है।

उधर, कांग्रेस ने राहुल गांधी को हिरासत में लेने, किसानों, कानून-व्यवस्था और अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। विपक्षी विधायक मंगलवार रात से ही विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आज भी सदन के भीतर और बाहर जोरदार हंगामे के संकेत हैं। सरकार की कोशिश रहेगी कि अनुपूरक बजट और विधायी कार्य सुचारु रूप से निपटाए जाएं, जबकि विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने के लिए आक्रामक रुख अपनाएगा। ऐसे में विधानसभा के तीसरे दिन की कार्यवाही के हंगामेदार रहने की संभावना है।

नेपाल में 4.2 तीव्रता का भूकंप, बाझंग जिले में डोली धरी

काठमांडू : नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के बाझंग जिले में आज तड़के 4:40 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए।भूकंप का केंद्र बाझंग जिला का कोटदेवल क्षेत्र रहा। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप मापन तथा अनुसंधान केंद्र ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप मापन तथा अनुसंधान केंद के अनुसार, भूकंप के झटके बाझंग के अलावा पड़ोसी बैतडी जिला के कुछ इलाकों में भी महसूस किए गए।इस वजह से सो रहे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। नेपाल को हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। हल्के से मध्यम तीव्रता के भूकंप समय-समय पर आते रहते हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

नीट परीक्षा में दिहाड़ी मजदूर की बेटी पूनम की सफलता पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी बधाई

कहा- सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की छात्रा ने रचा इतिहास

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा पूनम को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए उसकी लगन और कड़ी मेहनत की जमकर तारीफ की है. एक दिहाड़ी मजदूर की बेटी पूनम ने अपनी इस शानदार उपलब्धि से साबित कर दिया है कि अगर हौसले बुलंद हों, तो तंगहाली भी सपनों के आगे घुटने टेक देती है. सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की छात्रा पूनम की इस सफलता ने राज्य में सरकारी शिक्षा व्यवस्था के बदलते स्वरूप और उभरती प्रतिभाओं की नई मिसाल कायम की है.

गरीबी नहीं, प्रतिभा ही असली पहचान बनती है : सीएम ने पूनम को बधाई देते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि बहुत-बहुत बधाई पूनम बिटिया. सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस एवं अन्य सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राएं लगातार आगे बढ़ रहे हैं और अपने सपने संजो रहे हैं. गरीबी नहीं, प्रतिभा ही असली पहचान बनती है. यह एक दिहाड़ी मजदूर की बेटी की डॉक्टर बनने की ओर ऐतिहासिक उड़ान है. पूनम की यह कामयाबी न केवल उसके परिवार के लिए गर्व का क्षण है, बल्कि राज्य के हजारों गरीब और होनहार विद्यार्थियों के लिए भी एक बड़ा प्रेरणास्त्रोत बनी है.

पलामू में वज्रपात का कहर, घर से चंद कदम पहले पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत

मेदिनीनगर : पलामू जिले के पांकी प्रखंड के पुरसोतमपुर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से मंगलवार देर शाम दर्दनाक हादसा हो गया। वज्रपात की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। मृतकों की पहचान पुरषोत्तमपुर गांव निवासी बालमुकुंद यादव और उनके पुत्र दिलीप यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों तेतराई बाजार से बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज बारिश और गरज-चमक के बीच घर से कुछ ही दूरी पर उन पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायल महिला का इलाज कराया जा रहा है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

धनबाद के 8 लेन सड़क किनारे जल भराव से घरों में कैद हुए लोग

धनबाद : स्मार्ट सिटी, चौड़ी सड़कें और विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच कोयलांचल का एक इलाका ऐसा भी है, जहां बरसात लोगों के लिए किसी प्राकृतिक आपदा से कम नहीं है। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक बिनोद बिहारी चौक से महज कुछ दूरी पर स्थित न्यू नवाडीह में हर साल बारिश के साथ लोगों की जिंदगी ठहर जाती है। आठ लेन सड़क के किनारे बसा यह इलाका इन दिनों पूरी तरह पानी में डूबा हुआ है। सड़कें अब सड़क नहीं, बल्कि तालाब का रूप ले चुकी हैं। हालात ऐसे हैं कि लोग अपने ही घरों में कैद होकर रह गए हैं।

सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं और नौकरीपेशा लोग समय पर ड्यूटी नहीं जा पा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या एक-दो साल की नहीं, बल्कि पिछले करीब दस वर्षों से लगातार बनी हुई है। हर बरसात में यही हालात होते हैं। लेकिन अब तक किसी जनप्रतिनिधि या प्रशासन ने स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। सड़क पर कई जगह पानी कमर तक पहुंच गया है। दोपहिया और चारपहिया वाहन पानी में डूब जाते हैं। मामले को लेकर मेयर संजीव सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों में बारिश के कारण जलजमाव की स्थिति बनी है, वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नगर निगम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और शिकायत मिलते ही आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पलामू एमएमसीएच प्रबंधन ने 20 होमगार्ड जवानों की सेवा वापस की

पलामू : पलामू के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सुरक्षा में तैनात 20 होमगार्ड के जवानों को वापस कर दिया गया है। एमएमसीएच में 50 की संख्या में होमगार्ड के जवानों को तैनात किया गया था। नियमों को हवाला देकर 20 होमगार्ड के जवानों को ड्यूटी से वापस कर दिया गया है। 21 जुलाई को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के अधीक्षक ने इस संबंध में होमगार्ड के कमांडेंट को एक पत्र लिखा गया है।

पत्रांक संख्या 053 के अनुसार एमएमसीएच के अधीक्षक ने कमांडेंट से कहा है कि विभागीय पत्रांक 219(9) ब, रांची दिनांक 17।07।2026 के अनुसार 30 सुरक्षा कर्मी को ही रखने का निर्देश प्राप्त है। अतः मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में प्रतिनियुक्ति 20 होमगार्ड जवानों को वापस किया जा रहा है। पूरे मामले में मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉक्टर अजय कुमार से मोबाइल फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने किसी भी कॉल का जवाब नहीं दिया।

इधर, होमगार्ड के कमांडेंट दीपक कुमार ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में 50 की संख्या में होमगार्ड के जवानों की तैनाती थी। तैनाती से पहले एमओयू हुआ था। एमओयू में हर पहलुओं की जानकारी उपलब्ध करवा दी जाती है। संबंधित जवान का वेतन भी एमओयू करने वालों को देना पड़ता है। पत्र के बारे में विस्तृत जानकारी ली जा रही है।

इधर, होमगार्ड संगठन के सचिव राजीव तिवारी ने कहा कि इस निर्णय का संवैधानिक रूप से पुरजोर विरोध किया जाएगा। दरअसल, पलामू के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में अक्सर हंगामे की खबरें निकलकर सामने आती हैं। होमगार्ड जवानों की तैनाती को कम करने के बाद मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा को बहाल रखना एक बड़ी चुनौती होगी।

रेड क्रॉस में 25 को नेत्र जांच और 29 को रक्तदान शिविर

जमशेदपुर : रेड क्रॉस सोसाईटी द्वारा भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन व जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से भारत रत्न जेआरडी टाटा की 122वीं जयंती पर 25 से 27 जुलाई तक बागबेड़ा चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में नेत्र जांच, ऑपरेशन व लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया जायेगा। रेड क्रॉस के सचिव विजय कुमार सिंह ने बताया कि 29 जुलाई को ही स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं, पोटका के केरवा डुंगरी भवन में ग्रामीण स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित होगा।

बारिश ने बहा दिए विकास के दावे, हुसैनाबाद की मुख्य सड़क बनी 'छोटी नहर', गंदे पानी में सब्जी बेचने को मजबूर विक्रेता

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : कुछ घंटों की झमाझम बारिश ने हुसैनाबाद नगर पंचायत के विकास, सफाई व्यवस्था और जलनिकासी के दावों की परतें खोलकर रख दीं। नगर के अधिकांश हिस्से जलमग्न हो गए, सड़कें नालों में तब्दील हो गईं और कई घरों व दुकानों में बारिश का पानी घुस जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नगरवासियों का आरोप है कि हर वर्ष बारिश के साथ यही हालात बनते हैं, लेकिन नगर पंचायत स्थायी समाधान के बजाय केवल दावों और औपचारिकताओं तक सीमित रहती है।

सबसे भयावह स्थिति जेपी चौक से अंबेडकर चौक तक की मुख्य सड़क पर देखने को मिली। बारिश के दौरान और उसके बाद यह पूरी सड़क छोटी नहर का रूप ले चुकी थी। सड़क पर तेज बहाव के साथ गंदा पानी और कीचड़ जमा होने से लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। दोपहिया वाहन चालक फिसलने के डर से सहमे रहे, जबकि राहगीरों को पानी में उतरकर आवागमन करना पड़ा।

इस जलभराव का सबसे अधिक असर सड़क किनारे रोजी-रोटी कमाने वाले सब्जी विक्रेताओं पर पड़ा। नगर पंचायत को नियमित टैक्स देने के बावजूद उनके लिए आज तक कोई शेडयुक्त सब्जी बाजार उपलब्ध नहीं कराया गया है। मजबूरी में उन्हें बदबूदार कीचड़, नालियों के गंदे पानी और लगातार बहते जल के बीच ही सब्जियां बेचनी पड़ीं। कई विक्रेताओं ने बताया कि पानी में भीगने और कीचड़ से सामान खराब होने के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा।

नगर पंचायत के लगभग सभी 16 वार्डों में जलनिकासी व्यवस्था की पोल खुल गई। अधिकांश स्थानों पर नालियां जाम मिलीं, जिसके कारण बारिश का पानी सड़कों और गलियों में फैल गया। कई मोहल्लों में लोगों के घरों और दुकानों में पानी घुसने से घरेलू सामान तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। गंदे पानी के जमाव से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा नालियों की नियमित सफाई और जलनिकासी के दावे धरातल पर दिखाई नहीं देते। लोगों का कहना है कि यदि समय पर नालियों की प्रभावी सफाई और जल निकासी की समुचित व्यवस्था की गई होती तो नगर को इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। उनका आरोप है कि सफाई अभियान का अधिक जोर प्रचार-प्रसार पर दिखता है, जबकि वास्तविक समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

नगरवासियों का यह भी कहना है कि हर वर्ष मानसून में यही स्थिति बनती है, लेकिन जलभराव वाले क्षेत्रों के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस योजना लागू नहीं की जाती। परिणामस्वरूप थोड़ी सी बारिश भी पूरे नगर की व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर देती है।इस संबंध में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि सफाईकर्मी लगातार नालियों की सफाई में लगे हुए हैं और जहां जलभराव की सूचना मिल रही है, वहां आवश्यक कार्रवाई कराई जा रही है। हालांकि नगरवासियों द्वारा उठाए गए जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था और बार-बार होने वाले जलभराव के सवाल पर उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

इधर, लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से जाम नालियों की तत्काल सफाई, जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए स्थायी ड्रेनेज योजना लागू करने तथा टैक्स देने वाले सब्जी विक्रेताओं के लिए शीघ्र शेडयुक्त बाजार उपलब्ध कराने की मांग की है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि कुछ फेसबुकिया लोगों का कहना है कि हुसैनाबाद में यह स्थिति पहले से ही है। पहले हुसैनाबाद लंदन नहीं था। शायद उन्हें यह नहीं पता है कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए ही आम मतदाता सत्ता परिवर्तन करती है। अगर सबकुछ वैसा ही रहेगा तो फिर आखिर सत्ता परिवर्तन क्यों? एक पुरानी कहावत है कि नाली का कीड़ा नाली में ही रहना पसंद करता है।

चक्रधरपुर शहर में सफाई अभियान तेज

उपाध्यक्ष विजय कुमार साव के निर्देश पर नालियों की कराई जा रही सफाई

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर परिषद के उपाध्यक्ष विजय कुमार साव के निर्देश पर शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। शहर के विभिन्न वार्डों में फैली गंदगी एवं जाम नालियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए बुधवार सुबह से ही सफाई कर्मचारियों को मैदान में उतारा गया। सफाई कर्मी नालियों से कचरा निकालकर जाम को साफ करने तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने में जुटे हैं।

उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने कहा कि बरसात के मौसम में जलजमाव और गंदगी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए नगर परिषद लगातार सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से नालियों की सफाई करने तथा शहर को स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश दिए।उन्होंने शहरवासियों से भी अपील की कि वे कूड़ा-कचरा नालियों एवं सड़कों पर न फेंकें तथा नगर परिषद के स्वच्छता अभियान में सहयोग करें। नगर परिषद का उद्देश्य स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ चक्रधरपुर का निर्माण करना है, ताकि नागरिकों को बेहतर एवं साफ-सुथरा वातावरण मिल सके।

शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें : शादाब खान

गुलाम शाहिद

रांची : झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव शादाब खान ने छात्रों और युवाओं के साथ हुई घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसकी निंदा की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार कर अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

शादाब खान ने कहा कि छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर सरकार गंभीरता नहीं दिखा रही है।उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्षी सांसदों के साथ हुए व्यवहार पर भी आपत्ति जताई। कहा कि लोकतंत्र संवाद और सहमति से चलता है, दमन व बल प्रयोग से नहीं। विपक्ष की आवाज को दबाना लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है। शादाब खान ने केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा छात्रों और युवाओं की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की।

जेपीएससी रिजल्ट विवाद पर बवाल, भाजयुमो का उग्र प्रदर्शन

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को लेकर राजधानी रांची में आज माहौल गरमा गया। भारतीय जनता युवा मोर्चा के हजारों कार्यकर्ता जेपीएससी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे, जहां पुलिस ने पहले से ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी थी। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने आगे बढ़ने के लिए गेट तोड़कर परिसर में घुसे, जिसके बाद मौके पर कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई।

आयोग के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

भाजयुमो कार्यकर्ता जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए परिणाम रद्द करने, पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने और अभ्यर्थियों के साथ न्याय की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। स्थिति को देखते हुए खढरउ कार्यालय और आसपास के इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। बड़ी संख्या में पुलिस बल, रैपिड एक्शन टीम और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर तैनात हैं। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए कई स्तर की बैरिकेडिंग की गई है और प्रशासन हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने बैरिकेडिंग हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। हालांकि, प्रशासन लगातार हालात को नियंत्रित करने में जुटा हुआ है। गौरतलब है कि खढरउ परिणाम को लेकर पिछले कई दिनों से अभ्यर्थियों और विभिन्न संगठनों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी कड़ी में आज भाजयुमो ने खढरउ कार्यालय घेराव का आह्वान किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रित स्थिति बनी हुई है और पुलिस-प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है।

छात्रों की प्रमुख मांग

प्रदर्शनकारी छात्रों की प्रमुख मांगों में खढरउ पीटी परीक्षा को रद्द करना, परीक्षा का कटऑफ मार्क्स सार्वजनिक करना, उत्तर पुस्तिका और मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना शामिल है।छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

श्रावणी मेला 2026 : दुमका डीसी ने तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता

दुमका : राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2026 के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त ने बासुकीनाथ मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम जलार्पण को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2026 के सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ पहुंचकर संपूर्ण मेला क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन, रूट लाइन, आवासन, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित मेला आयोजन से जुड़ी विभिन्न तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बेदिया, दर्शनिया टीकर, तारा मंदिर होते हुए रूट लाइन, शिवगंगा सहित सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो तथा उन्हें सुगमतापूर्वक एवं सुरक्षित तरीके से बाबा बासुकीनाथ का दर्शन एवं जलार्पण कराया जाए। रूट लाइन में श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

डीसी ने टेंट सिटी एवं अन्य आवासन केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं के ठहरने वाले सभी आवासन केंद्रों में पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ एवं कार्यशील शौचालय, बिजली, प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट सहित अन्य सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें। आवासन केंद्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने तथा उनकी नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बासुकीनाथ पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन पर विशेष ध्यान दिया जाए। भीड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति के साथ आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग एवं अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

उपायुक्त ने मेला क्षेत्र में व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि पूरे मेला अवधि के दौरान नियमित रूप से सफाई कार्य कराया जाए। कूड़ा-कचरा का त्वरित उठाव एवं उचित निस्तारण सुनिश्चित हो। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था की लगातार निगरानी करने तथा श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

रूट लाइन में पेयजल एवं चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता को लेकर भी उपायुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रूट लाइन में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था रहे तथा श्रद्धालुओं के लिए मेडिकल टीम, आवश्यक दवाइयां एवं प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध हो। आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बेहतर एंबुलेंस व्यवस्था को भी सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया।

इस दौरान उपायुक्त ने मेला क्षेत्र में निमार्णाधीन टेंट अस्पताल का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि टेंट अस्पताल में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता, आवश्यक दवाइयां, प्राथमिक उपचार एवं अन्य जरूरी चिकित्सा संसाधन समय पर सुनिश्चित किए जाएं, ताकि मेला के दौरान श्रद्धालुओं को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति एवं प्रकाश व्यवस्था निर्बाध रहे। बिजली के तारों एवं अन्य विद्युत संरचनाओं की नियमित जांच कर सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, अग्निशमन व्यवस्था को भी पूरी तरह दुरुस्त एवं सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने मेला क्षेत्र में लगाए जा रहे सूचना एवं सहायता केंद्रों को भी प्रभावी बनाने का निर्देश दिया, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को रूट, आवासन, चिकित्सा, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित जानकारी आसानी से मिल सके। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए पर्याप्त संख्या में सहायता कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने को कहा गया।